इंटरनेट पर देखें
www.dainikdawa.com

संस्कारधानी से प्रकाशित मध्यभारत व छत्तीसगढ़ अंचल का सर्वप्रसारित लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र

भारत सरकार व छत्तीसगढ़ शासन से विज्ञापन के लिए अधिकृत

दैनिक प्रातः संस्करण

"यो आत्मानं वेति, सर्वं स वेति"।।

दावा

सम्पादक - दीपक भाई बुद्धदेव

आर.एन.आई.नं. 58841/93
डाक पंजीयन छ.ग./दुर्ग/14/2024-26

वर्ष- 45 अंक - 117 राजनांदगांव, सोमवार 16 मार्च 2026 पृष्ठ - 8 मूल्य - 4.00 रुपए

चुनावी शंखनाद : 5 राज्यों में सत्ता का महासंग्राम शुरू, 4 मई को आएंगे नतीजे

नई दिल्ली। देश के पांच राज्यों में सत्ता का महासंग्राम शुरू हो गया है। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने आज एक महत्वपूर्ण प्रेस कॉन्फ्रेंस में पश्चिम बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी के लिए विधानसभा चुनाव 2026 के कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बताया कि केरल, तमिलनाडु, असम और पुडुचेरी में जहां एक ही चरण में मतदान संपन्न होगा, वहीं पश्चिम बंगाल की 294 सीटों के लिए दो चरणों में वोट डाले जाएंगे। सभी पांचों राज्यों के चुनावी नतीजे 4 मई 2026 को घोषित किए जाएंगे।

वोटों की गिनती 4 मई को होगी

चार राज्यों और पुडुचेरी की सभी 824 सीटों के लिए वोटों की गिनती 4 मई को होगी। चुनाव आयोग ने रविवार को घोषणा की कि केरल, तमिलनाडु, असम, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी की सभी 834 सीटों के लिए वोटों की गिनती 4 मई को होगी। भारत के चुनाव आयोग ने 5 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में विधानसभा चुनावों की तारीखों की घोषणा की। असम में मतदान- 9 अप्रैल; तमिलनाडु में मतदान 23 अप्रैल; पश्चिम बंगाल में मतदान - 23 अप्रैल (पहला चरण), 29 अप्रैल (दूसरा चरण), केरल में मतदान - 9 अप्रैल; पुडुचेरी में मतदान - 9 अप्रैल को होगा।

बंगाल में दो चरणों में वोटिंग, केरल, तमिलनाडु, असम और पुडुचेरी में एक ही दिन होगा मतदान

असम में 2.25, बंगाल में 6.44 करोड़ वोटर

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने जानकारी देते हुए कहा कि अंतिम सूची के अनुसार असम में मतदाताओं की संख्या लगभग 2.25 करोड़ होगी, केरल में 2.7 करोड़, पुडुचेरी में 9.44 लाख, तमिलनाडु में 5.67 करोड़, और पश्चिम बंगाल में 28 फरवरी की अंतिम सूची के अनुसार यह संख्या 6.44 करोड़ है और माननीय न्यायाधीशों के निर्णय के बाद, जो भी पूरक सूची आएगी, उसे इसमें जोड़ दिया जाएगा।

निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव कराएंगे - ज्ञानेश

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने चुनावी शुचिता पर जोर देते हुए कहा कि निर्वाचन आयोग लाखों चुनाव अधिकारियों और सुरक्षा कर्मियों के साथ तालमेल बिठाकर स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी, सुलभ और शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने युवाओं और पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं से विशेष अपील करते हुए कहा कि वे अपने जीवन की सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों में से एक 'मतदान के अधिकार' का उपयोग करने जा रहे हैं; उन्होंने युवाओं से इस लोकतांत्रिक उत्सव में उत्साहपूर्वक भाग लेने का आग्रह किया और जोर देकर कहा कि उनका एक वोट भविष्य को आकार देने के लिए उनका अपना सबसे सशक्त विकल्प है।

पांच राज्यों में होने हैं चुनाव

सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश की विधानसभाओं का कार्यकाल मई और जून 2026 में समाप्त हो रहा है।

पश्चिम बंगाल	-	294 सीटें
तमिलनाडु	-	234 सीटें
केरल	-	140 सीटें
असम	-	126 सीटें
पुडुचेरी	-	30 सीटें

इस चुनाव में 17.4 करोड़ मतदाता वोट डालेंगे

मुख्य चुनाव आयुक्त अध्यक्ष ज्ञानेश कुमार ने कहा, 'ये चुनाव मतदान की सांस्कृतिक समृद्धि को दर्शाते हैं और हमारे राष्ट्र की एकता और विविधता को प्रतिबिंबित करते हैं। इस चुनाव में लगभग 17.4 करोड़ मतदाता वोट डालेंगे। हम 20 से अधिक देशों के चुनावी आयोगों से आए अपने मेहमानों को भी देखेंगे, जो इन चुनावों के उत्सवपूर्ण माहौल को देखने के लिए यहां आएंगे।'

सभी दलों से सुझाव लिए गए - ईसी

पीसी के दौरान चुनाव आयोग ने कहा कि इलेक्शन के लिए सभी दलों से सुझाव लिए गए। चुनाव आयोग के अधिकारी सभी राज्यों का दौरा किया है। चुनाव आयोग की प्रेस कॉन्फ्रेंस शुरू हो गई है। आज पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु, असम और पुडुचेरी में होने वाली विधानसभा चुनाव की तारीखो का ऐलान होगा।

ममता पर सुवेंदु अधिकारी का हमला

ममता बनर्जी सरकार द्वारा कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए डीए बकाया देने की घोषणा पर विपक्षी नेता सुवेंदु अधिकारी ने तीखा हमला बोला है। उन्होंने इसे एक चुनावी पैंतरा करार देते हुए कहा कि सालों तक राज्य के खजाने की लूट करने और कर्मचारियों को धोखा देने के बाद, आचार संहिता लागू होने के चंद मिनटों पहले जारी किया गया यह नोटिफिकेशन महज जनता को मूर्ख बनाने वाला एक 'चुनावी नाटक' है जिसकी कोई जवाबदेही नहीं होगी।

तारीखों से पहले ममता बनर्जी का मास्टरस्ट्रोक

चुनाव की तारीखों के ऐलान से महज कुछ घंटे पहले पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बड़ा दांव खेला है। उन्होंने राज्य के पुरोहितों और मुअज्जिनों के मासिक मानदेय में 500 रुपये की बढ़ोतरी करने की घोषणा की है। ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, हमें एक ऐसे माहौल को संवारने पर गर्व है, जहां हर समुदाय और हर परंपरा को महत्व दिया जाता है। हमारा प्रयास है कि हमारी समृद्ध आध्यात्मिक विरासत के संरक्षकों को वह पहचान और समर्थन मिले जिसके वे हकदार हैं।

शराब नीति केस में सुप्रीम कोर्ट पहुंचे केजरीवाल और सिसोदिया, बोले- जज स्वर्णकांता पर भरोसा नहीं, निष्पक्ष हो सुनवाई...

नई दिल्ली। दिल्ली की आबकारी नीति मामले में बरी होने के बाद अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया ने अब जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की बेंच से केस ट्रांसफर करने के लिए उच्चतम न्यायालय का रुख किया है। खबरों के अनुसार, दोनों नेताओं का तर्क है कि मौजूदा बेंच से उन्हें निष्पक्ष सुनवाई की उम्मीद नहीं है। इस मामले में पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने भी अलग याचिका दायर की है। हाल ही में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने इस मामले में केजरीवाल को बरी किया था।

मनीष सिसोदिया ने भी दायर की याचिका

दिल्ली की आबकारी नीति मामले में बरी होने के बाद अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया ने अब जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की बेंच से केस ट्रांसफर करने के लिए उच्चतम न्यायालय का रुख किया है। दोनों नेताओं का तर्क है कि मौजूदा बेंच से उन्हें निष्पक्ष सुनवाई की उम्मीद नहीं है। इस मामले में पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने भी अलग याचिका दायर की है। हाल ही में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने इस मामले में केजरीवाल को बरी किया था। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि यह मांग किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं है, बल्कि न्यायिक प्रक्रिया में निष्पक्षता बनाए रखने के लिए की गई है। याचिका में कहा गया है कि जब सीबीआई की याचिका पर सुनवाई शुरू हुई, तब जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने शुरुआती चरण में ही ट्रायल कोर्ट के फैसले को पहली नजर में गलत बताया था।

सीबीआई ने फैसले को दी है चुनौती

केजरीवाल का कहना कि अगर यही जज सुनवाई करती हैं तो निष्पक्ष सुनवाई संभव नहीं हो पाएगी। इससे पहले केजरीवाल ने बेंच बदलने के लिए दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को भी पत्र लिखा था। उन्होंने इस अनुरोध को ठुकरा दिया था। अदालत ने सीबीआई की चार्जशीट पर कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा था कि यह न्यायिक जांच में टिक नहीं सकी। इसके बाद सीबीआई ने इस फैसले को चुनौती देते हुए दिल्ली हाईकोर्ट में अपील दायर कर दी। यह मामला फिलहाल जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की बेंच के सामने सूचीबद्ध है।

बिना मान्यता वाले स्कूलों के प्रवेश विज्ञापन पर छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट सख्त, शिक्षा सचिव से मांगा हलफनामा, 26 को अगली सुनवाई

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने बिना मान्यता वाले निजी स्कूलों द्वारा प्रवेश के विज्ञापन प्रकाशित करने के मामले में सख्त रुख अपनाया है। अदालत ने स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव को इस मामले में व्यक्तिगत हलफनामा पेश करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही संबंधित स्कूल को पक्षकार बनाते हुए नोटिस जारी किया गया है। मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच में हुई। यह सुनवाई जनहित याचिका में इंटरविनर विकास तिवारी द्वारा उठाए गए मुद्दों पर की गई।

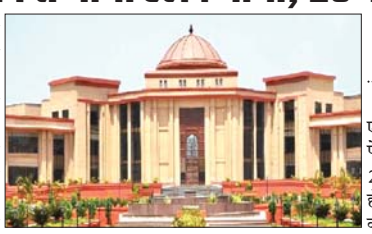

अधिकारियों की सुस्ती पर नाराजगी और कार्रवाई के निर्देश

सुनवाई के दौरान इंटरविनर ने अदालत को बताया कि उनकी शिकायतों को पांच फरवरी 2026 को लोक शिक्षण संचालनालय ने दुर्ग, रायपुर और बिलासपुर के जिला शिक्षा अधिकारियों को भेजा था। साथ ही एक सप्ताह के भीतर कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए थे। इसके बावजूद अब तक इस मामले में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इस पर कोर्ट ने संबंधित अधिकारियों को आदेश का पालन करते हुए अगली सुनवाई तक कार्रवाई की विस्तृत रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए।

अवैध विज्ञापनों को बताया कोर्ट के आदेशों का उल्लंघन

इंटरविनर की ओर से अदालत के सामने एक पत्रिका में प्रकाशित प्रवेश विज्ञापन भी पेश किया गया। इसमें शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कई निजी स्कूलों में प्रवेश शुरू होने की जानकारी दी गई थी। याचिका में कहा गया कि ये स्कूल आवश्यक मान्यता के बिना संचालित हो रहे हैं, इसके बावजूद प्रवेश के विज्ञापन देकर छात्रों को प्रवेश देने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसे अदालत के पूर्व आदेशों का उल्लंघन बताया गया। डिवीजन बेंच ने स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव को इस मामले में व्यक्तिगत हलफनामा पेश करने के निर्देश दिए हैं। अदालत ने टिप्पणी करते हुए कहा कि बिना मान्यता के स्कूलों द्वारा एडमिशन का विज्ञापन देना (शेष पृष्ठ 6 पर...)

कथावाचक के आरोप पर मंत्री राजेश अग्रवाल बोले- आस्था से जुड़ा विषय है, इसलिए उसके ऊपर कोई कार्रवाई नहीं कर रहा हूं...

अंबिकापुर। प्रदेश के संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल पर कथावाचक डा. रामानुरागी महाराज द्वारा भागवत कथा कराकर 15 लाख रुपए भुगतान नहीं करने का आरोप लगाया गया है। इसका वीडियो बनाकर उसने सोशल मीडिया पर वायरल किया है। रुपए नहीं देने पर उसने विधानसभा के सामने आत्मदाह के प्रयास की धमकी भी दी है। इस मामले में मंत्री राजेश अग्रवाल का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि मैंने न तो कथा कराई और न ही उसके शुभारंभ और समापन में गया। इसके बाद भी दबाव बनाकर मुझसे रुपयों की मांग की जा रही है। मुझे उक्त कथावाचक के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए, लेकिन आस्था से जुड़ा विषय होने की वजह से कोई कार्रवाई नहीं कर रहा हूं।

छत्तीसगढ़ के संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि पिछले 2-3 दिन से सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। कोई कथित भागवत कथाकार हैं, जिन्होंने कहा है कि मेरे द्वारा लखनपुर में कथा करवाकर पैसे नहीं दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय नमो सेवा दल नामक फर्जी संस्था के द्वारा आवेदन दिया गया था कि हमें लखनपुर में भागवत कथा करवाना है। इसके लिए संस्कृति विभाग से विभिन्न खर्चों के लिए 15 लाख रुपए की आवश्यकता है। मैंने उनसे कहा कि संस्कृति विभाग द्वारा ऐसे किसी कार्यक्रम के लिए सरकार द्वारा राशि नहीं दी जाती है। लेकिन उनके आग्रह पर मैंने कहा था कि आवेदन उच्चाधिकारियों को भेज देता हूं। यदि राशि मिल जाएगी तो हो जाएगा। इसी बीच 13 मार्च को कथावाचक मेरे पास आया और कहा कि मैं वृंदावन से आया हूं। इस दौरान मैं विधानसभा के लिए निकल रहा था। मैंने बाद में बात करने के लिए कहा और निकल गया।

मंत्री ने कहा कि मेरे विधानसभा निकलने के बाद कथावाचक ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो डाला कि मंत्री राजेश अग्रवाल ने कथा करवाकर मुझे पैसे नहीं दिए। मैं यह बताना चाहता हूं कि उसका आवेदन विभाग द्वारा खारिज कर दिया गया था। आयोजन के लिए पैसा प्राप्त नहीं हुआ। मेरे द्वारा ऐसा कोई आयोजन नहीं कराया गया।

मोहला-मानपुर में पुलिस-नक्सली मुठभेड़ : घेराबंदी देख भागे माओवादी, इंसास रायफल बरामद

बस्तर-महाराष्ट्र सीमा पर जवानों ने ध्वस्त किया ठिकाना; एसपी वायपी सिंह ने की पुष्टि

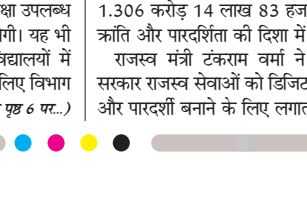

मोहला-मानपुर (दावा)। जिले के सरहदी इलाके में रविवार को सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच जबरदस्त मुठभेड़ हुई। आँधी थाना क्षेत्र के कोहकाटोला और आमपायली गांव के समीप जंगलों में जवानों ने नक्सलियों के ठिकाने को चारों ओर से घेर लिया। खुद को घिरता देख नक्सली अपनी सामग्री छोड़कर घने जंगल की ओट में भाग निकले। राहत की बात यह है कि इस पूरी कार्रवाई में सभी जवान सुरक्षित हैं। पुलिस प्रशासन के अनुसार यह मुठभेड़ बस्तर और महाराष्ट्र की सीमा से लगे सामरिक रूप से संवेदनशील घने जंगलों में हुई। यह घटनास्थल पखांजूर क्षेत्र से भी सटा हुआ है। पुलिस को सूचना मिली थी कि इस इलाके में माओवादियों की हलचल बढ़ी है। जिसके बाद सुरक्षाबलों की एक संयुक्त टीम ने इलाके की घेराबंदी शुरू की। जवानों की मुस्तैदी देख नक्सली जान बचाकर भागने को मजबूर हो गए। मुठभेड़ के बाद जब जवानों ने (शेष पृष्ठ 6 पर...)

कांग्रेस नेता विनोद तिवारी गिरफ्तार, दिल्ली पुलिस की कार्रवाई, पीएम मोदी के खिलाफ की थी विवादित टिप्पणी

रायपुर। छत्तीसगढ़ कांग्रेस के पीसीसी संयुक्त महामंत्री विनोद तिवारी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित विवादित टिप्पणी करने के मामले में दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उन्हें उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले से हिरासत में लिया है। बताया जाता है कि विनोद तिवारी कौशांबी में एक पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। इस दौरान दिल्ली पुलिस की टीम ने दबिश दी। उन्हें हिरासत में लेकर मामले की जांच पड़ताल में लगी है। चर्चा है कि यह कार्रवाई तीन फरवरी को सोशल मीडिया पर पीएम मोदी के खिलाफ की गई एक पोस्ट के मामले में की गई है। इस पोस्ट को लेकर शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिसके आधार पर दिल्ली पुलिस ने जांच शुरू की। जांच के बाद पुलिस टीम ने कौशांबी पहुंचकर उन्हें गिरफ्तार किया है। दिल्ली पुलिस ने विनोद तिवारी को हिरासत में लेकर मामले की जांच पड़ताल में जुटी है। पुलिस के इस कार्रवाई के बाद छत्तीसगढ़ की सियासत गर्म है। मामले में विभिन्न प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं।

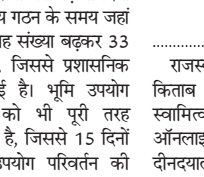

छह राज्यों की आठ सीटों पर उपचुनाव की भी घोषणा

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग ने चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के साथ-साथ छह राज्यों में होने वाले उपचुनावों का विस्तृत कार्यक्रम जारी कर दिया है। इन छह राज्यों की आठ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है। इस सीटों में सबसे अहम सीट महाराष्ट्र की बारामती सीट है। गोवा, कर्नाटक, नागालैंड, त्रिपुरा में नौ अप्रैल को वोटिंग होगी, जबकि गुजरात और महाराष्ट्र को 23 अप्रैल को वोटिंग होनी है। इन राज्यों में भी 4 मई को मतगणना होगी। गोवा, कर्नाटक, नागालैंड और त्रिपुरा में उपचुनाव के लिए अधिसूचना 16 मार्च 2026 को जारी होगी। इन राज्यों में नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 23 मार्च 2026 तय की गई है। नामांकन पत्रों की जांच 24 मार्च 2026 को होगी और नाम वापसी 26 मार्च 2026 तक संभव है। इन चार राज्यों में मतदान 9 अप्रैल 2026 को कराया जाएगा। गुजरात और महाराष्ट्र में उपचुनाव के लिए अधिसूचना 30 मार्च 2026 को जारी की जाएगी। इन राज्यों में नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 6 अप्रैल 2026 निर्धारित है। नामांकन पत्रों की जांच 7 अप्रैल 2026 को होगी तथा नाम वापसी 9 अप्रैल 2026 तक हो सकेगी। गुजरात और महाराष्ट्र में मतदान 23 अप्रैल 2026 को होगा। सभी उपचुनावों की मतगणना 4 मई 2026 को होगी।

छत्तीसगढ़ के कॉलजों में होगी 700 भर्तियां : प्राध्यापक के 625, ग्रंथपाल के 50, क्रीड़ा अधिकारी के 25 पदों पर होगी नियुक्ति

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की विशेष पहल पर राज्य के सरकारी कॉलजों में शिक्षण एवं सहायक सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से उच्च शिक्षा विभाग द्वारा विभिन्न शैक्षणिक पदों पर भर्ती की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। विभाग द्वारा सहायक प्राध्यापक के 625 पद, ग्रंथपाल के 50 पद तथा क्रीड़ा अधिकारी के 25 पदों सहित कुल 700 पदों पर भर्ती की जाएगी। उच्च शिक्षा विभाग ने भर्ती प्रक्रिया के तहत राज्य शासन के प्रचलित नियमों के अनुसार आरक्षण रोस्टर और विषयवार रिक्तियों का निर्धारण करते हुए उनका विस्तृत रोस्टर ब्रेक-अप भी तैयार कर लिया है। भर्ती प्रक्रिया को पूरा करने के लिए छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग को 24 फरवरी 2026 को विस्तृत जानकारी के साथ पत्र भी भेजा जा चुका है।

इन विषयों के प्राध्यापकों की होगी भर्ती

प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्य के शासकीय महाविद्यालयों में सहायक प्राध्यापक के हिन्दी, अंग्रेजी, समाजशास्त्र, राजनीति शास्त्र, भौतिक शास्त्र, गणित, रसायन शास्त्र, वनस्पति शास्त्र एवं प्राणीशास्त्र के 50-50 पदों, अर्थशास्त्र, इतिहास, भूगोल के 25-25 पदों, कम्प्यूटर एप्लीकेशन के 15, वाणिज्य के 75, विधि के 10 पदों पर भर्ती के साथ ही क्री?ा अधिकारी के 25 पद तथा ग्रंथपाल के 50 पदों सहित कुल 700 पदों पर भर्ती की जाएगी।

लोक सेवा आयोग को भेजा गया विज्ञापन प्रारूप

विभाग द्वारा इन पदों के लिए आवश्यक शैक्षणिक योग्यता, भर्ती नियम, श्रेणीवार पदों की संख्या, परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम तथा विज्ञापन प्रारूप भी छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग को प्रेषित कर दिया गया है। आयोग द्वारा आवश्यक प्रशासनिक एवं तकनीकी औपचारिकताओं को पूर्ण करने के पश्चात भर्ती संबंधी विज्ञापन जारी किया जाएगा, जिसके माध्यम से योग्य अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे। इन पदों पर नियुक्ति से राज्य के शासकीय महाविद्यालयों में शिक्षण व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ता मिलेगी तथा विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण सहायता प्राप्त होगी। यह भी उल्लेखनीय है कि, राज्य के महाविद्यालयों में शिक्षण कार्य प्रभावित न हो, इसके लिए विभाग द्वारा प्रत्येक स्वीकृत पद के (शेष पृष्ठ 6 पर...)

छत्तीसगढ़ में राजस्व सेवाओं में डिजिटल क्रांति, 4808 करोड़ की अनुदान मांगें पारित, टंकराम वर्मा ने कही ये बात

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा में राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए कुल 4.808 करोड़ 73 लाख 96 हजार रुपए की अनुदान मांगें पारित कर दी गई है। इनमें भू राजस्व, जिला प्रशासन, राजस्व विभागीय व्यय, पुनर्वास, प्राकृतिक आपदाओं और सूखाग्रस्त क्षेत्रों में राहत कार्यों के लिए बड़ी राशि स्वीकृत की गई है। अनुदान की प्रमुख मांगें-भू राजस्व और जिला प्रशासन के लिए 2.206 करोड़ 2 लाख 97 हजार, राजस्व विभागीय व्यय के लिए 20 करोड़ 62 लाख 64 हजार, पुनर्वास के लिए 2 करोड़ 94 लाख 50 हजार, प्राकृतिक आपदाओं और सूखाग्रस्त क्षेत्रों में राहत 1.272 करोड़ 99 लाख 2 हजार, उच्च शिक्षा विभाग के लिए 1.306 करोड़ 14 लाख 83 हजार, डिजिटल क्रांति और पारदर्शिता की दिशा में कदम।

राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने बताया कि सरकार राजस्व सेवाओं को डिजिटल, साधारण और पारदर्शी बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि डिजिटल ऋण पुस्तिकाओं, भू अभिलेखों का डिजिटलीकरण, ऑटो डायवर्सन और लोक सेवा गारंटी जैसी व्यवस्था ने आम जनता को राहत दी है और राजस्व सेवाओं में पारदर्शिता को बढ़ावा दिया है। मंत्री ने बताया कि राज्य गठन के समय जहां 16 जिले थे, वहीं अब यह संख्या बढ़कर 33 जिलों तक पहुंच गई है, जिससे प्रशासनिक कामकाज में तेजी आई है। भूमि उपयोग परिवर्तन की प्रक्रिया को भी पूरी तरह ऑनलाइन कर दिया गया है, जिससे 15 दिनों के भीतर जमीन के उपयोग परिवर्तन की प्रक्रिया पूरी हो जाती है। आपदा प्रबंधन के लिए भी सरकार ने एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और एसडीएमएफ के लिए मजबूत वित्तीय प्रावधान किए हैं। एसडीआरएफ के लिए 588 करोड़, एनडीआरएफ के लिए 50 करोड़, एसडीएमएफ के लिए 147 करोड़। राजस्व मंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार 2047 तक राज्य को विकसित राज्य बनाने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रही है और सरकार का उद्देश्य गरीब, युवाओं, अन्नदाता और नारी को विकास का प्रमुख आधार बनाना है।

किसानों और भूमिहीनों के लिए नई योजनाएं

राजस्व मंत्री ने कहा कि डिजिटल किसान किताब के माध्यम से किसानों को भूमि स्वामित्व और ऋण से जुड़ी जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध हो रही है। साथ ही, दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन (शेष पृष्ठ 6 पर...)

नेशनल लोक अदालत : टूटे रिश्ते जुड़े, घर आंगन में फिर लौटी खुशियां

राजनांदगांव (दावा)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के निर्देशानुसार, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा 14 मार्च को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कई वर्षों से अदालती चक्कर काट रहे परिवारों के बीच आपसी सुलह हुई। जिससे न केवल न्यायालय का बोझ कम हुआ बल्कि कई घर उजड़ने से बच गए। लोक अदालत में राजीनामे की दो प्रमुख कहानियां सामने आई। जिसमें पहला कुटुम्ब न्यायालय के न्यायाधीश उत्तरा कुमार कश्यप के समक्ष लंबित प्रकरण क्रमांक 181/2025 में एक सुखद मोड़ आया। आवेदिका श्रीमती दुर्गेश्वरी वर्मा और उनके पति सुरेश कुमार वर्मा का विवाह वर्ष 2022 में हुआ था। पति द्वारा शराब के सेवन और दहेज के लिए प्रताड़ित करने के कारण दुर्गेश्वरी अपने दो छोटे बच्चों के साथ मायके में रह रही थी और भरण-पोषण के लिए न्यायालय की शरण ली थी। लोक अदालत में न्यायाधीश और विधिक सेवा के सदस्यों ने दोनों पक्षों को समझाते हुए बच्चों के भविष्य का वास्ता दिया। समझाइश रंग लाई और दोनों अपनी पुरानी शिकायतों को भुलाकर फिर से साथ रहने को तैयार हो गए। उभयपक्ष के राजीनामे के बाद

राजनांदगांव जिला न्यायालय में राजीनामे से सुलझे पारिवारिक विवाद, बिखरे परिवार हुए खुशहाल

प्रकरण को समाप्त कर दिया गया। जिससे एक बिखरा हुआ परिवार फिर से खुशहाल हो गया। वहीं दूसरा एक अन्य मामले में, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश विजय कुमार होता के न्यायालय में व्यवहार वाद (96ए/2025) के तहत चंद्रकुमार गेण्ड्रे और श्रीमती तारामती गेण्ड्रे का प्रकरण लंबित था। इनका विवाह वर्ष 2012 में हुआ था, लेकिन लंबे समय से आपसी मनमुटाव और गाली-गलौज के कारण वे अलग रह रहे थे। वादी चंद्रकुमार पुनः दाम्पत्य जीवन शुरू करना चाहता था। लोक अदालत की कार्यवाही के दौरान उभयपक्षों के मध्य गहन विचार-विमर्श और सुलह की कोशिशें की गई। जो पूरी तरह सफल रहीं। पति-पत्नी ने गिले-शिकवे दूर कर समाज और परिवार के हित में आपसी राजीनामा किया और एक साथ नई शुरुआत करने का निर्णय लिया।

न्यायालय का संदेश : सुलह से सुख

लोक अदालत के सफल आयोजन पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य दोनों पक्षों की जीत सुनिश्चित करना है। समझौते के आधार पर निराकृत होने वाले इन प्रकरणों से न केवल समय और धन की बचत होती है, बल्कि सामाजिक समरसता भी बनी रहती है।

महाबोधि महाविहार का प्रबंधन बौद्धों को सौंपने की मांग, कलेक्टर को प्रधानमंत्री के नाम सौंपा 1043 ज्ञापन

राजनांदगांव (दावा)। मातोश्री सावित्री बाई फुले के स्मृति दिवस के अवसर पर ऑल इंडिया बुद्धिष्ट फोरम के आह्वान पर राजनांदगांव में देशव्यापी एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया। कलेक्टर कार्यालय के समीप ओवर ब्रिज के नीचे आयोजित इस धरने के माध्यम से बौद्ध समाज ने बोधगया (बिहार) स्थित विश्व प्रसिद्ध महाबोधि महाविहार के पूर्ण प्रबंधन को बौद्ध अनुयायियों को सौंपने और बोधगया मंदिर अधिनियम 1949 (बीटी एक्ट) को निरस्त करने की पुरजोर मांग की। इस दौरान भिक्खु धम्मतप के नेतृत्व में प्रधानमंत्री के नाम 1043 ज्ञापनों की प्रतियां कलेक्टर को सौंपी गई।

बोधगया मंदिर अधिनियम 1949 को निरस्त करने राजनांदगांव में बौद्ध समाज ने दिया एक दिवसीय धरना

संविधान के उल्लंघन का लगाया आरोप

आंदोलन का नेतृत्व कर रहे भिक्खु धम्मतप ने कहा कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 13 के अनुसार 26 जनवरी 1950 से पूर्व के उन सभी कानूनों को निरस्त करने का प्रावधान है जो संवैधानिक मूल अधिकारों का उल्लंघन करते हैं। उन्होंने तर्क दिया कि बोधगया मंदिर अधिनियम 1949, संविधान के अनुच्छेद 25, 26 और 29 का स्पष्ट उल्लंघन है। देश की आजादी के 79 साल बाद भी इस एक्ट का अस्तित्व में रहना बौद्ध समाज के साथ अन्याय है।

गैर-बौद्धों के हस्तक्षेप पर आपत्ति

धरना प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने कहा कि भारत में मुख्य रूप से छह धर्म हैं। जिनमें से पांच धर्मों के धार्मिक स्थलों का प्रबंधन उन्हीं के अनुयायियों द्वारा किया जाता है। केवल बौद्ध धर्म के सबसे पवित्र स्थल महाबोधि महाविहार के प्रबंधन में गैर-बौद्धों का हस्तक्षेप है। बी.टी. एक्ट 1949 के तहत प्रबंधन समिति में हिंदू सदस्यों की उपस्थिति और पदेन अध्यक्ष के रूप में जिला मजिस्ट्रेट की अनिवार्यता को बौद्ध समाज ने भेदभावपूर्ण बताया। हालांकि 2013 में बिहार सरकार ने संशोधन कर अध्यक्ष पद के लिए धर्म की अनिवार्यता समाप्त की थी, लेकिन समाज अब भी पूर्ण प्रबंधन की मांग पर अड़ा है।

134 वर्षों से जारी है महाविहार मुक्ति का संघर्ष

उल्लेखनीय है कि महाबोधि महाविहार के पूर्ण प्रबंधन के लिए 134 वर्षों से और बी.टी. एक्ट के विरोध में 58 वर्षों से आंदोलन चल रहा है। इसी कड़ी में 12 फरवरी 2025 से बोधगया में अनिश्चितकालीन धरना जारी है। राजनांदगांव में आयोजित इस धरने में भिक्खु धम्मतप ने संपूर्ण छत्तीसगढ़ के बौद्ध समुदाय से संपर्क कर बड़ी संख्या में ज्ञापन एकत्र किए। शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित इस धरना आंदोलन में राजनांदगांव और आसपास के क्षेत्रों से सैकड़ों की संख्या में बौद्ध अनुयायी शामिल हुए। समाज का कहना है कि जब तक प्रबंधन पूरी तरह बौद्धों को नहीं सौंपा जाता, तब तक यह न्यायसंगत संघर्ष और आंदोलन निरंतर जारी रहेगा।

मोती-मस्जिद में 27वीं रमज़ान शब-ए-कद्र, पर पूरी रात रहेंगे इबादत के खास इंतजाम : सैय्यद अली अहमद

राजनांदगांव(दावा)। मोती मस्जिद तुलसीपुर के सदर सैय्यद अली अहमद (गुड्डू) ने कहा की मुकद्दस माह-ए-रमजान की सबसे अफ़ज़ल और बरकतों से भरपूर रात शब-ए-कद्र इस वर्ष 16 मार्च को अकीदत और एहतराम के साथ मनाई जाएगी। इस्लामी मान्यता के अनुसार रमजान की 26 रमज़ान की 27वीं शब को आने वाली शब-ए-कद्र को हजार महीनों से भी बेहतर रात माना गया है। इसी मुबारक और रहमतों भरी रात में अल्लाह तआला ने इंसानियत की रहनुमाई के लिए कुरआन-ए-पाक को नाज़िल फरमाया था। यही वजह है कि मुसलमान इस रात को खास इबादत, दुआ और तौबा अस्तगफार में गुजारते हैं।

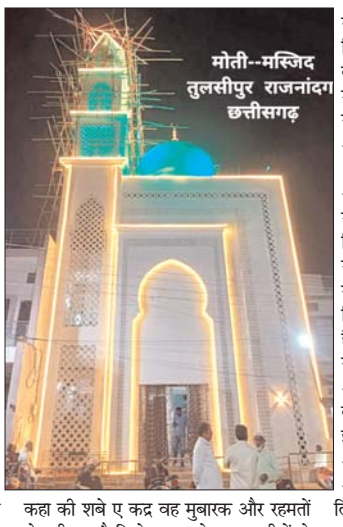

सैय्यद अली अहमद ने कहा अतराफ की सभी मस्जदो की तरह ही मोती मस्जिद में भी इस मौके पर रूहानी माहौल के बीच कई खास प्रोग्राम आयोजित किए जाएंगे। हर साल की तरह इस बार भी शब-ए-कद्र की रात मस्जिद में नमाज-ए-इशा और तरावीह के बाद पूरी रात इबादत का सिलसिला जारी रहेगा। इस दौरान कुरआन-ए-करीम की तिलावत, इस्लाही-तकरीर, जिक्र-ओ-अजकार और दुआओं का खास एहतमाम किया जाएगा। मुस्लिम समाज के मिडिया प्रभारी सैय्यद अफजल अली ने कहा की शबे ए कद्र वह मुबारक और रहमतों से भरी रात है जिसे अल्लाह ने हजार महीनों से बेहतर करार दिया है ये रात बंदों के लिए अपने रब की बारगाह में झुककर इबादत करने अपने गुनाहों की तौबा करने और रहमत व मगफिरत हासिल करने का बेहतरीन मौका होती। यह रात रहमत, मगफिरत और निजात की रात होती है। जिसमें अल्लाह तआला अपने बंदों की दुआओं को खास तौर पर कबूल फरमाता है। इसलिए मोमिनीन इस मुबारक घड़ी को गफलत में गंवाने के बजाय इबादत, तौबा और नेक आमाल में गुजारने की कोशिश करते हैं।

मोती मस्जिद के सेकेट्री अहमद रज़ा अंसारी ने कहा की इबादत के लिए आने वाले नमाजियों के लिए पूरी रात बेहतर इंतजाम किए गए हैं। मस्जिद परिसर में साफ-सफाई, रोशनी और बैठने की उचित व्यवस्था के साथ-साथ रात भर इबादत करने वालों के लिए सेहरी का भी खास इंतजाम किया गया है, ताकि रोजेदार आसानी से अपनी सेहरी कर सकें। सैय्यद ने कहा मोती मस्जिद कमेटी ने अतराफ के तमाम मुस्लिम भाइयों से गुजारिश की है कि वे कसिर तादाद में मस्जिद पहुंचकर इस मुबारक रात की बरकतों से फायदा उठाएं, अल्लाह की बारगाह में दुआ करें और मुल्क में अमन-ओ-सुकून, भाईचारे और खुशहाली के लिए दुआएं मांगें। शब-ए-कद्र की यह रूहानी रात मुसलमानों के लिए इबादत, आत्ममंथन और अल्लाह से करीब होने का बेहतरीन मौका मानी जाती है। जिसमें हर मोमिन अपनी दुआओं और नेक नियत के साथ रहमतों की बारिश का इंतजार करता।

लोहिया पेपर के निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में उमड़ी भीड़, सैकड़ों ग्रामीणों ने कराया फुल बॉडी चेकअप

रायपुर (दावा)। लोहिया पेपर एंड बोर्ड प्रा.लि. रायपुर एवं श्रीराम पैथोलाजी लैब के संयुक्त तत्वाधान में सीएसआर के अंतर्गत 15 मार्च को सुबह 9.30 बजे से निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। शिविर आलेसुर खरोरा जिला रायपुर में सम्पन्न हुआ। जिसमें सीबीसी, ईएसआर, एलएफटी, आरएफटी, थायराईड प्रोफाईल, बीपी, शुगर एण्ड फुल बाडी चेकअप आदि का विशेष जांच किया गया। शिविर का शुभारंभ मुख्य डुआल वर्मा (सरपंच) एवं करण बघेल (पूर्व सरपंच) आलेसुर, खरोरा जिला रायपुर और कंपनी के प्रतिनिधि सुजीत कुमार झा के हाथों हुआ। निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में सैकड़ों लोगों ने फ्री में अपने स्वास्थ्य का परीक्षण कराकर लाभ लिया।

आज राजनांदगांव में होगा एचपीवी टीकाकरण का आगाज, सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षित होंगी किशोरियां

राजनांदगांव (दावा)। कलेक्टर जितेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस के अवसर पर 16 मार्च से जिले में एचपीवी टीकाकरण का शुभारंभ जिला चिकित्सालय राजनांदगांव से किया जाएगा। जिले में एचपीवी वैक्सीनेशन के लिए कुल 32 स्वास्थ्य केन्द्रों को चिन्हांकित किया गया है, जहां लगभग 10 हजार 500 लाभार्थियों को टीकाकरण किया जाएगा।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नेतराम नवरतन ने बताया कि भारत में महिलाओं में होने वाले कैंसरों में सर्वाइकल कैंसर दूसरा सबसे अधिक पाया जाने वाला कैंसर है। राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम (एनसीआरपी) 2022 के अनुसार प्रतिवर्ष लगभग 11.6 लाख महिलाओं में कैंसर के नए मामले पाए जाते हैं। उन्होंने बताया कि सर्वाइकल कैंसर से बचाव के उद्देश्य से एचपीवी टीकाकरण किया जा रहा है। इसके अंतर्गत ऐसी सभी किशोरियां पात्र होंगी। जिन्होंने अपना 14वां जन्मदिन मना लिया है, किंतु अभी 15वां जन्मदिन नहीं मनाया है। शासकीय स्वास्थ्य केन्द्रों में एचपीवी टीकाकरण निःशुल्क उपलब्ध रहेगा। अभिभावक अपनी पात्र किशोरियों का पंजीकरण युवीन पोर्टल के माध्यम से करा सकते हैं।

राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस पर 32 केंद्रों में शुरू होगा अभियान, 10,500 लाभार्थियों का लक्ष्य

सीएमएचओ डॉ. नेतराम नवरतन ने बताया कि एचपीवी टीकाकरण के बाद सामान्यतः हल्का दर्द, सूजन, ललिमा या बुखार जैसे हल्के प्रतिकूल प्रभाव हो सकते हैं, जो सामान्य रूप से 2 से 3 दिनों में पैरासिटामोल की दवा से ठीक हो जाते हैं। टीकाकरण के बाद लाभार्थियों को 30 मिनट तक ऑब्जर्वेशन रूम में रखा जाएगा, ताकि किसी भी प्रतिकूल प्रभाव का उचित प्रबंधन किया जा सके। उन्होंने बताया कि यह टीका पूरी तरह सुरक्षित है और विश्व भर में करोड़ों लोगों को लगाया जा चुका है। टीकाकरण सत्र चिकित्सा अधिकारी की उपस्थिति में आयोजित किया जाएगा। आयु के प्रमाण के लिए आधार कार्ड या अन्य फोटो पहचान पत्र मान्य होंगे। पहचान पत्र उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में माता-पिता द्वारा हस्ताक्षरित शपथ पत्र भी मान्य किया जाएगा।

हिंदू जागरण मंच की डोंगरगांव खंड कार्यकारिणी घोषित, सुरेश गुप्ता बने नगर संयोजक

डोंगरगांव (दावा)। हिंदू जागरण मंच की डोंगरगांव खंड की महत्वपूर्ण बैठक नगर के जमात मंदिर में 14 मार्च की संध्या आयोजित की गई। जिसमें संगठन के विस्तार और कार्यों को गति देने के उद्देश्य से नई खंड कार्यकारिणी का गठन किया गया। बैठक में जिले से आए प्रमुख पदाधिकारियों ने कार्यकर्ताओं को

जमात मंदिर में हुई महत्वपूर्ण बैठक, युवाओं को राष्ट्रहित और संस्कृति की रक्षा से जोड़ने का संकल्प

संगठन की विचारधारा, उद्देश्य और गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

इस अवसर पर जिले से सुशील लड्ढा, सविता बोस, प्रभात गुप्ता, जुगल गुप्ता तथा हेमलाल ढीमर की गरिमामय उपस्थिति रही। सभी पदाधिकारियों ने डोंगरगांव पहुंचकर कार्यकर्ताओं के साथ बैठक ली और हिंदू जागरण मंच के संगठनात्मक ढांचे तथा उसके कार्यों पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि हिंदू जागरण मंच एक सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठन है, जो समाज में राष्ट्रभक्ति, सांस्कृतिक मूल्यों और हिंदू समाज की एकता को मजबूत करने के लिए कार्य करता है। संगठन का उद्देश्य समाज में जागरूकता लाना, हिंदू समाज की सुरक्षा और सम्मान के लिए कार्य करना तथा युवाओं को राष्ट्रहित के कार्यों से जोड़ना है। उन्होंने बताया कि हिंदू जागरण मंच देश की संस्कृति, परंपरा और राष्ट्रीय अस्मिता की रक्षा के लिए निरंतर कार्य कर रहा है. संगठन का प्रत्येक कार्यकर्ता समाज में सेवा, समर्पण और संगठन की भावना के साथ काम करता है। इस अवसर पर उपस्थित कार्यकर्ताओं से संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने का आह्वान किया। बैठक के दौरान डोंगरगांव खंड की नई कार्यकारिणी का गठन भी किया गया। जिसमें विभिन्न पदों पर कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई। सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों ने संगठन के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने और समाज हित में सक्रिय रूप से कार्य करने का संकल्प लिया। डोंगरगांव नगर संयोजक सुरेश कुमार गुप्ता, नगर सहसंयोजक नितेश सोनकर एवं घनश्याम तिवारी, सूचना संग्रह आयाम प्रमुख रुद्र कोरे, युवा आयाम प्रमुख पंकज यादव, अभिलाष गुप्ता, संपर्क आयाम गोविंद गुप्ता, महिला आयाम सरिका गुप्ता, पायल कोठारी, सावित्री वैष्णव, अरुणा देवांगन, प्राजक्ता रत्नाकर, विधि आयाम नवनीत अहीर, प्रतिभा पटेल, कार्यकारिणी सदस्य राकेश रत्नाकर को जिम्मेदारियां दी गई हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में हिंदू जागरण मंच के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक के अंत में सभी ने मिलकर राष्ट्र और समाज की सेवा के लिए संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

न्यायालय तहसीलदार लालबहादुर नगर, जिला- राजनांदगांव (छ.ग.)

//ईश्तहार//

रा.प्र.क्र. 2026030945000003-ब/121)-वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक ललित खरे पिता कन्हैयालाल खरे जाति मोची निवासी ग्राम मेंढ़ा तहसील लालबहादुर नगर, जिला राजनांदगांव द्वारा अपने पुत्र प्रेम खरे पिता ललित खरे का दिनांक 14/12/2006 को ग्राम मेंढ़ा में जन्म हुआ था। जिसका ग्राम पंचायत के जन्म/मृत्यु पंजी में दर्ज नहीं कराया गया है। आवेदक द्वारा अपने पुत्र प्रेम खरे पिता ललित खरे का दिनांक 14/12/2006 को ग्राम पंचायत मेंढ़ा में जन्म दर्ज कराने बाबत् आवेदन पत्र, अनुलब्धता प्रमाण पत्र, प्रति पेश कर जन्म प्रमाण पत्र हेतु अदेय आदेश जारी करने का निवेदन किया गया है।

अतः उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को उजर व आपत्ति हो तो वह दिनांक 20.03.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर पेश कर सकते हैं। नियत समयावधि में आपत्ति प्राप्त नहीं होने के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा

आज दिनांक 02.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर से जारी किया।

तहसीलदार, लालबहादुर नगर

बोरतलाव के ताईक्कांडो खिलाड़ियों ने महापौर मधुसूदन यादव से की मुलाकात, संसाधनों की कमी होगी दूर

डोंगरगढ़ (दावा)। क्षेत्र के अत्यंत ग्रामीण अंचल बोरतलाव के प्रतिभावान ताईक्कांडो खिलाड़ियों ने हाल ही में राजनांदगांव के महापौर एवं पूर्व सांसद मधुसूदन यादव से सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान खिलाड़ियों ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में अपनी उपलब्धियों की जानकारी देते हुए उनसे मार्गदर्शन प्राप्त किया।

नशा नहीं, शिक्षा और खेल ही युवा शक्ति की असली पहचान : मधुसूदन यादव

मुलाकात के दौरान जिला खेल संघ अध्यक्ष एवं भाजपा नेता विवेक मोनू भंडारी ने सभी खिलाड़ियों का परिचय कराते हुए बताया कि ग्रामीण अंचल के युवाओं में खेल के प्रति लगातार उत्साह बढ़ रहा है। सीमित संसाधनों के बावजूद ये खिलाड़ी कड़ी मेहनत कर राज्य स्तर की प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि इन खिलाड़ियों को उचित सुविधाएं और मार्गदर्शन मिलता रहा तो आने वाले समय में ये खिलाड़ी जिले के साथ-साथ प्रदेश और देश का भी नाम रोशन कर सकते हैं। इस अवसर पर महापौर मधुसूदन यादव ने खिलाड़ियों से चर्चा करते हुए उनके प्रशिक्षण, अभ्यास और प्रतियोगिताओं में भागीदारी के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं में खेल के प्रति बढ़ती रुचि की सराहना करते हुए कहा कि खेल और शिक्षा ही ऐसे माध्यम हैं। जो युवाओं को नशे जैसी बुरी आदतों से दूर रखकर उनके उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त करते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को निरंतर मेहनत और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

खिलाड़ियों के कोच गौतम ने इस दौरान बताया कि अभ्यास के लिए पर्याप्त मैट और किट की कमी के कारण कई बार खिलाड़ियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है तथा चोट लगने का खतरा भी बना रहता है। इस पर महापौर श्री यादव ने त्वरित रूप से खिलाड़ियों के लिए आवश्यक किट उपलब्ध कराने तथा जल्द ही अभ्यास के लिए मैट की व्यवस्था कराने की घोषणा की। उनकी इस घोषणा से खिलाड़ियों में उत्साह का माहौल देखा गया। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व भी इन ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ियों का एक दल राज्य के खेल मंत्री अरुण साँव से मुलाकात कर चुका है, जहां उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की गई थी। बोरतलाव के खिलाड़ियों ने हाल ही में आयोजित विभिन्न राज्य स्तरीय ताईक्कांडो प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन किया है। इनमें स्कूल गेम्स राज्य स्तरीय ताईक्कांडो प्रतियोगिता (गौरला-पेंड्रा-मरवाही) तथा राज्य स्तरीय ओपन ताईक्कांडो चैंपियनशिप (रायपुर, जनवरी 2026) प्रमुख हैं। जिनमें खिलाड़ियों ने कई पदक जीतकर क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। इन प्रतियोगिताओं में भविष्य मांडवी, राजेंद्र कंवर, डी. हिमेश राव और रागिनी कवर ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया। वहीं आलोक कंवर, धर्मा कंवर, कुशल यादव, राधिका यादव और वेदिका तोमर ने सिल्वर मेडल हासिल किया। इसके अलावा भानुप्रताप मांडवी, दूज उइके, आदित्य कुमार, संदीप यादव, खुशबू सोरी, दुर्गेश्वरी वर्मा, हिना उज्जाने और देव यादव ने ब्रॉन्ज मेडल जीतकर अपने क्षेत्र का नाम रोशन किया। खिलाड़ियों ने महापौर मधुसूदन यादव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सहयोग से उन्हें बेहतर प्रशिक्षण सुविधाएं मिलेंगी। जिससे वे भविष्य में और अधिक मेहनत कर जिले, प्रदेश और देश का नाम रोशन करने का प्रयास करेंगे।

महिला समूह से 8.85 लाख की धोखाधड़ी करने वाली अध्यक्ष नागपुर से गिरफ्तार

दो साल से फरार चल रही थी आरोपिया; लोन की रकम को शेयर मार्केट और विलासिता में किया खर्च

डोंगरगांव (दावा)। ग्राम करेठी के एक महिला स्व-सहायता समूह के साथ लाखों रुपए का गबन करने वाली फरार आरोपिया को डोंगरगांव पुलिस ने महाराष्ट्र के नागपुर (कलमना) से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। आरोपिया ने समूह की अध्यक्ष रहते हुए सदस्यों को अंधेरे में रखकर लोन लिया और उस रकम का उपयोग निजी सुख-सुविधाओं के लिए किया। डोंगरगांव थाना प्रभारी आशीर्वाद रहटगावकर ने बताया कि ग्राम करेठी निवासी प्रार्थिया पेमिन साहू ने 2 जनवरी 2026 को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के अनुसार प्रज्ञा महिला स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष गणेशिया बाई बघेल ने 9 जनवरी 2024 से समूह के सदस्यों को बिना बताए उनके नाम पर 8,85,000 रुपये का लोन लिया। इस बड़ी रकम को बैंक में जमा करने के बजाय आरोपिया ने स्वयं के निजी कार्यों में खर्च कर दिया और पिछले दो वर्षों से फरार चल रही थी। पुलिस की पूछताछ में 60 वर्षीय आरोपिया गणेशिया बाई ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया है। उसने बताया कि गबन की गई राशि का उपयोग उसने शेयर मार्केट में निवेश करने, घर की मरम्मत कराने, टीवी, फ्रिज, कूलर जैसे महंगे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण खरीदने में किया।

नागपुर में घेराबंदी कर पकड़ी गई आरोपिया

महिलाओं की सुरक्षा और धोखाधड़ी के मामलों के प्रति संवेदनशील पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देश पर एक विशेष टीम गठित की गई थी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती मंजूलता बाज के मार्गदर्शन में डोंगरगांव पुलिस ने मुखबिरों का जाल बिछाया। सटीक सूचना मिलने पर प्रशिक्षु आईपीएस आदित्य कुमार और निरीक्षक आशीर्वाद राहटगांवकर के नेतृत्व में टीम ने नागपुर के कलमना क्षेत्र में घेराबंदी कर आरोपिया को हिरासत में लिया।

इस सफल कार्रवाई में प्रशिक्षु आईपीएस आदित्य कुमार, निरीक्षक आशीर्वाद राहटगांवकर, सहायक उप निरीक्षक देवकुमार रावटे, आरक्षक धर्मेन्द्र मांडले और अभिलाषा सिंह ठाकुर का विशेष योगदान रहा। आरोपिया को न्यायालय में पेश कर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

डर और अस्थिरता का माहौल बनाना राजनीतिक नहीं, देश विरोधी मानसिकता : रवि सिन्हा

राजनांदगांव (दावा)। पार्षद एवं शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष रवि सिन्हा ने देश में घरेलू गैस की कथित अनुपलब्धता को लेकर फैलाई जा रही खबरों पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग अपने निजी राजनीतिक स्वार्थ के लिए जनता के बीच भ्रम और डर का वातावरण बनाने की कोशिश कर रहे हैं, जो पूरी तरह से आधारहीन और दुर्भाग्यपूर्ण है। श्री सिन्हा ने स्पष्ट किया कि वर्तमान में देश में घरेलू गैस की अनुपलब्धता जैसी कोई स्थिति नहीं बनी है। उन्होंने कहा कि घरेलू गैस की उपलब्धता को लेकर अनावश्यक अफवाहें फैलाकर लोगों में असुरक्षा और आशंका पैदा करने की कोशिश की जा रही है। यह व्यवहार केवल राजनीतिक विरोध तक सीमित नहीं है, बल्कि देश विरोधी मानसिकता को दर्शाता है।

रामनवमी पर 27 मार्च को निकलेगी भव्य शोभायात्रा

सफल आयोजन को लेकर सर्व समाज की बैठक

राजनांदगांव(दावा)। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी रामनवमी के पावन अवसर पर 27 मार्च शुक्रवार को शहर में भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा के सफल संचालन को लेकर गुरुवार को माहेश्वरी भवन रामाधीन मार्ग में सर्व समाज के पदाधिकारियों एवं विभिन्न हिंदू संगठनों के प्रतिनिधियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में बड़ी संख्या में उपस्थित समाज एवं संगठनों के पदाधिकारियों ने शोभायात्रा को सुचारू एवं भव्य रूप से संपन्न कराने के लिए अपने-अपने विचार व्यक्त किए। साथ ही निर्णय लिया गया कि वार्ड स्तर पर बैठकें कर तथा जनसंपर्क के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को शोभायात्रा में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।

महावीर चौक हनुमान मंदिर से प्रारंभ होगी यात्रा

रामनवमी शोभायात्रा समिति के तत्वावधान में निकलने वाली यह शोभायात्रा महावीर चौक हनुमान मंदिर से प्रारंभ होकर नगर भ्रमण के बाद पुनः वहीं समाप्त होगी। समापन के पश्चात सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया जाएगा तथा श्रद्धालुओं को रामप्रसादी का वितरण किया जाएगा। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि 19 मार्च गुरुवार को हिंदू नववर्ष के उपलक्ष्य में दोपहर 4 बजे महावीर चौक हनुमान मंदिर से बाइक शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसके माध्यम से शहर के समस्त सनातनियों को नववर्ष की शुभकामनाएं देने का आह्वान किया गया।

बैठक का संचालन एवं संबोधन नंदु साहू, विष्णु साव, अनुप श्रीवास, योगेश बागड़ी, मनोज बैद, पवन डागा, शिव वर्मा, पवन पटेल, राधेश्याम गुप्ता, अरुण गुप्ता, शिव श्रीवास्तव, श्रीमती गीता साहू, मणीभास्कर गुप्ता, पारूल जैन, सरस्वती यादव सहित अन्य वक्ताओं ने किया। बैठक में सभी समाजों से अपील की गई कि वे अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर धार्मिक उत्सव को एकता, सौहार्द और सांस्कृतिक गौरव के साथ मनाएं। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी लक्ष्मण लोहिया ने दी।

पदोन्नति में आरक्षण रोस्टर का पालन कराने विधायक को सौंपा ज्ञापन

डोंगरगढ़ (दावा)। पदोन्नति में शासन द्वारा विहित आरक्षण रोस्टर का कड़ाई से पालन कराने की मांग को लेकर अजाक्स (अनुसूचित जाति जनजाति अधिकारी कर्मचारी संघ) के सदस्यों ने स्थानीय विधायक को ज्ञापन सौंपा। जिला उपाध्यक्ष अमिताभ दुफारे के नेतृत्व में सौंपे गए इस ज्ञापन में अधिकारियों पर छत्तीसगढ़ राजपत्र और माननीय उच्च न्यायालय के निर्देशों की अनदेखी करने का गंभीर आरोप लगाया गया है। ज्ञापनकर्ताओं ने बताया कि छत्तीसगढ़ राजपत्र क्रमांक 81 (दिनांक 13 फरवरी 2026) के बिंदु क्रमांक 14 (1) और आरक्षण अधिनियम 1994 की धारा 8 के तहत स्पष्ट प्रावधान है कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग को निर्धारित आरक्षण रोस्टर के अनुसार ही पदोन्नति दी जाएगी। इसके बावजूद विभिन्न विभागों के अधिकारी इस राजपत्र का पालन नहीं कर रहे हैं। जिससे आरक्षित वर्ग के कर्मचारियों में भारी असंतोष है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि माननीय उच्च न्यायालय, छत्तीसगढ़ ने 16 अप्रैल 2024 को राज्य सरकार को तीन माह के भीतर नए पदोन्नति नियम अधिसूचित करने के निर्देश दिए थे। न्यायालय की स्पष्ट मंशा के बाद राज्य सरकार ने फरवरी 2026 में राजपत्र प्रकाशित किया। जिला उपाध्यक्ष अमिताभ दुफारे ने कहा कि अधिकारी न्यायालय के आदेश की मनमानी और अनुचित व्याख्या कर रहे हैं। कई विभागों में बगैर आरक्षण रोस्टर के सामान्य पदोन्नति आदेश जारी किए जा रहे हैं, जो सीधे तौर पर संवैधानिक अधिकारों का हनन है। अजाक्स सदस्यों का कहना है कि रोस्टर का पालन न होने से संबंधित शिक्षकों और कर्मचारियों को पदोन्नति से वंचित होना पड़ रहा है। इससे न केवल उनकी वरिष्ठता प्रभावित हो रही है, बल्कि उन्हें लंबे समय तक एक ही पद पर कार्य करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। राजपत्र प्रकाशित होने के बाद अब पदोन्नति समिति के सामने ऐसी कोई कानूनी बाधा नहीं है जो उसे आरक्षण नीति लागू करने से रोके। ज्ञापन सौंपने के दौरान सचिव भीषम ठाकुर, जितेंद्र डाहट, जितेंद्र चौरे, निर्मल सांगोडे, दिनेश कुमार कोसा, श्रीमती किरण मेश्राम, श्रीमती पद्मा मेश्राम, गिरिश धमगाये, गांधी तनय टाडिया सहित अजाक्स के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। विधायक ने इस मामले में उचित कार्रवाई हेतु शासन स्तर पर बात करने का आश्वासन दिया है।

गौठान और महिला समूह के स्थल पर शराब दुकान दुर्भाग्यपूर्ण : कांग्रेस

प्रदेश प्रवक्ता रूपेश दुबे ने भाजपा सरकार पर साधा निशाना, आबकारी विभाग को बताया प्रशासनिक आतंकवाद का पर्याय

राजनांदगांव (दावा)। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता रूपेश दुबे ने नगर पंचायत घुमका में शराब दुकान के लिए पवित्र गौठान स्थल के साथ महिला स्व. सहायता समूह के विकास के लिए बनाए गए कमरों को शराब दुकान के लिए कब्जा कर मुर्गीकरण कराए जाने को दुर्भाग्यपूर्ण करार देते हुए इसे भाजपा सरकार की गौठान और महिला के प्रति असम्मान एवं करूरता का प्रमाण बताया है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता रूपेश दुबे ने कहा कि जिले का आबकारी विभाग अवैध कार्यों का अड्डा है क्योंकि यहां अवैध भवनों में बिना भाड़ा नियंत्रण से किराए फिक्स कराये दुकान चलवाना, सरकारी दुकानों में अपात्र लोगों को नियुक्त करा ओवर रेट के साथ प्रतिबंधित शराब बिकवाने के प्रमाणित अपराध कर रहे है जो गंभीर आर्थिक अनियमितता के साथ आपराधिक कृत्य है।

स्वतंत्रता सेनानी के जन्मभूमि घुमका को गौरव ग्राम घोषित करने के बाद डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार ने वहां की शराब दुकान को बंद कराया था, लेकिन भाजपा सरकार आते ही यहां शराब दुकान की साजिश रच दिया गया और नगर पंचायत घोषित कर वहां चुनाव ना कराकर शराब दुकान के लिए एनओसी का नीतिगत, विधिवत निर्णय ना लेना पड़े और शराब दुकान खुल जाए। क्योंकि नगर पंचायत में सामान्य सभा से प्रस्ताव पारित होने पर ही दुकान खुल सकती है, अन्यथा नहीं। वहीं घुमका में विकास नहीं बल्कि जनता को संपत्ति, समेकित, जल व अन्य टैक्स की मार भाजपा सरकार दे दी है। ऐसी दशा में सरकार को पहले घुमका को विकास की मुख्य धारा से जोड़ना चाहिए। गोठान की सुरक्षित जगह के साथ महिला स्व-सहायता समूह के विकास क्रियाकलाप के स्थल को शराब दुकान के लिए कब्जा छग सरकार की गौधाम योजना के आडंबर के साथ नारी शक्ति का अपमान एवं महिला विकास में बाधा का प्रमाण है ।

पुजारी पुरोहित संघ ने गुलाल लगाकर मनाया होली मिलन उत्सव

हनुमान चालीसा पाठ का लिया संकल्प

राजनांदगांव (दावा)। अखिल भारतीय पुजारी पुरोहित संघ का होली मिलन समारोह 15 मार्च को सोनार पारा स्थित बाला बाबा मंदिर में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संघ के राष्ट्रीय सचिव लाल जे.के. वैष्णव (छोटे राजा छुईखदान) उपस्थित रहे। आयोजन के दौरान समाज और संस्कृति की रक्षा के साथ-साथ आगामी पर्वों को लेकर विशेष संकल्प लिए गए। समारोह का शुभारंभ भगवान लक्ष्मीनारायण के चरणों में गुलाल अर्पित कर किया गया। मुख्य अतिथि लाल जे.के. वैष्णव ने होली के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह पर्व प्रेम, सद्भाव और एकता का प्रतीक है। उन्होंने होली के वैज्ञानिक पक्ष पर प्रकाश डालते हुए बताया कि होलिका दहन से पर्यावरण की शुद्धि होती है और रंगों का उत्सव सकारात्मक ऊर्जा व उमंग का संचार करता है। इस दौरान उन्होंने वृंदावन की सुप्रसिद्ध होली के विभिन्न स्वरूपों का भी वर्णन किया।

हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ का संकल्प

होली मिलन के इस अवसर पर पुजारी पुरोहित संघ ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया। संघ के सदस्यों ने संकल्प लिया कि अब से प्रत्येक मंगलवार और शनिवार को विभिन्न मंदिरों में सामूहिक हनुमान चालीसा एवं सुंदरकांड का पाठ आयोजित किया जाएगा। इसके साथ ही आगामी वर्ष प्रतिपदा (नव संवत्सर) और श्रीराम जन्मोत्सव को भव्य रूप से मनाने पर विचार-विमर्श किया गया। समारोह में संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवकुमार निर्वाणी, डोमनदास वैष्णव (हनुमान मंदिर), आकाश वैष्णव, निखिल वैष्णव, भोलादास वैष्णव, महेन्द्र वैष्णव (जमात मंदिर), वैभव निर्वाणी, प्रणतपाल वैष्णव, आकाश शर्मा (सिविल लाइन मंदिर), ज्ञानेश वैष्णव, लाल जितेन्द्र किशोर वैष्णव, अभिषेक चौबे, अभय वैष्णव, विवेक वैष्णव, विवेक त्रिपाठी, युगल किशोर वैष्णव, मनोज निर्वाणी, ललित गणेश वैष्णव, राजेश चौबे और अनिल सहित बड़ी संख्या में पुजारी व पुरोहित उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में भगवान को भोग लगाकर प्रसाद वितरण किया गया। उक्त जानकारी वैभव निर्वाणी (बाला बाबा मंदिर) द्वारा दी गई।

बालोद में भीषण सड़क हादसा: जगतरा टोल प्लाजा के पास ट्रक से टकराई स्लीपर बस, चालक समेत 8 यात्री घायल

बालोद (दावा)। बालोद जिले के पुरूर थाना क्षेत्र में रविवार की सुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया। एनएच-30 मार्ग पर जगतरा टोल प्लाजा के पास तेज रफ्तार यात्रियों से भरी स्लीपर बस सड़क किनारे खड़ी एक ट्रक में जा घुसी। हादसे में बस चालक और परिचालक सहित 8 से अधिक यात्री घायल हो गए, जिनमें बस चालक की हालत गंभीर बताई जा रही है।

मिली जानकारी के अनुसार, यात्रियों से भरी सुमित कंपनी की स्लीपर बस सुकमा से दुर्ग की ओर जा रही थी। रविवार सुबह करीब 5 बजे जब बस जगतरा टोल प्लाजा के पास पहुंची, तभी सड़क किनारे खराब होकर खड़ी एक ट्रक में तेज रफ्तार बस सीधे जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि, बस के सामने का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

दुर्घटना के बाद मची अफरा-तफरी

हादसे के दौरान बस की ऊपरी स्लीपर सीटों पर सो रहे कई यात्री झटके के कारण नीचे गिर पड़े, जिससे कई लोगों को चोटें आईं। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों और राहगीरों ने तुरंत पुलिस और एम्बुलेंस को सूचना दी।

35 से अधिक यात्री बस में थे सवार

सूचना मिलते ही पुलिस और एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। बस में करीब 35 से अधिक यात्री सवार बताए जा रहे हैं। प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण बस चालक की लापरवाही और तेज रफ्तार बताया जा रहा है। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रेलवे सुरक्षा बल का ऑपरेशन अमानत : युवती को लौटाया खोया मोबाइल, बीमार यात्री की बचाई जान

राजनांदगांव रेलवे स्टेशन पर दो अलग-अलग हादसों में अज्ञात महिला व बुजुर्ग की मौत

राजनांदगांव (दावा)। मंडल सुरक्षा आयुक्त दीपचंद आर्य के निर्देशन एवं आरपीएफ पोस्ट प्रभारी तरुणा साहू के नेतृत्व में ऑपरेशन अमानत के तहत रेलवे सुरक्षा बल ने ईमानदारी की मिसाल पेश की है। बल ने न केवल एक युवती का खोया हुआ मोबाइल और नगदी लौटाई, बल्कि ट्रेन में अचानक बीमार पड़े एक यात्री को त्वरित सहायता पहुँचाकर अस्पताल में भर्ती कराया। दूसरी ओर, जीआरपी क्षेत्र में दो अलग-अलग रेल हादसों में एक युवती और एक अज्ञात बुजुर्ग की मौत हो गई।

कुर्सी पर छूटा मोबाइल, फोन आने पर हुई पहचान

12 मार्च को प्लेटफॉर्म गश्त के दौरान एएसआई मीनू कुमार और प्रधान आरक्षक आर. रायकवार को प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर एक लावारिस मोबाइल मिला। यात्रियों से पूछताछ के बाद उसे सुरक्षित पोस्ट लाया गया। कुछ देर बाद मोबाइल पर कॉल आने पर उसकी पहचान कु. माधुरी चंद्रवंशी (निवासी मोहल्ला मानपुर) के रूप में हुई। युवती ने बताया कि बिलासपुर जाने की जल्दबाजी में वह अपना मोबाइल और उसमें रखे 1000 रुपये नगद कुर्सी पर ही भूल गई थी। पुष्टि के बाद आरपीएफ ने पूरी संपत्ति उसे सौंप दी। गाड़ी संख्या 18029 डाउन एक्सप्रेस में सफर कर रहे पुरुलिया (प. बंगाल) निवासी उज्ज्वल कुंभकर (22 वर्ष) की अचानक तबीयत बिगड़ गई। आरपीएफ ने तत्काल 112 की मदद से उसे पेंड्री स्थित मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुँचाया, जहाँ उसका उपचार जारी है।

दो अलग-अलग हादसों में दो मौतें

रेलवे सुरक्षा बल की सक्रियता के बीच जीआरपी के लिए शनिवार का दिन चुनौतीपूर्ण रहा। जीआरपी के जनक तिवारी ने बताया कि परमालकसा के पास ग्राम सर्रागोंदी (खैरागढ़) निवासी कुमारी यशोदा पटेल (23 वर्ष) की अज्ञात मालगाड़ी की चपेट में आने से मौत हो गई। स्टेशन मास्टर की सूचना पर पुलिस ने धारा 194 के तहत मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। प्लेटफॉर्म नंबर 2 पर हावड़ा-मुंबई मेल एक्सप्रेस से उतरते समय एक अज्ञात बुजुर्ग (करीब 70 वर्ष) गेट और पटरी के बीच आ गया।

हादसे में बुजुर्ग का दाहिना हाथ कट गया। आरपीएफ और जीआरपी ने तत्काल उन्हें अस्पताल पहुँचाया, लेकिन उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। जीआरपी ने अज्ञात बुजुर्ग की शिनाख्त के लिए आमजन से सहयोग मांगा है। जानकारी होने पर जीआरपी चौकी के मोबाइल नंबर 9479191508 या 07744-224264 पर सूचना दी जा सकती है।

शांति भंग करने वाला युवक गिरफ्तार, पुलिस ने प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत भेजा जेल

राजनांदगांव (दावा)। लालबाग थाना अंतर्गत तुमड़ीबोड पुलिस ने क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी सार्वजनिक स्थान पर वाद-विवाद कर अशांति फैला रहा था, जिसके खिलाफ पुलिस ने कड़ी प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करते हुए उसे न्यायालय में पेश किया। पुलिस चौकी प्रभारी दिलीप पटेल ने बताया कि पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन और वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए निरंतर अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में शनिवार, 14 मार्च को सूचना मिली कि पुलिस कॉलोनी निवासी राहुल डोंगरे (नायक) (18 वर्ष) लोगों से अनावश्यक वाद-विवाद कर रहा है।

अशांति फैलने और किसी संभावित संज्ञेय अपराध को रोकने के उद्देश्य से पुलिस ने त्वरित कार्यवाही की। आरोपी को धारा 170 (बीएनएस) के तहत गिरफ्तार किया गया। इसके साथ ही शांति भंग करने पर धारा 126 और 135(3) (बीएनएस) के तहत प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करते हुए उसे जिला न्यायालय में पेश किया गया। इस कार्यवाही में चौकी प्रभारी दिलीप पटेल के साथ सहायक उपनिरीक्षक नंद कुमार फरादिया, प्रधान आरक्षक लोकनाथ यादव, आरक्षक चंद्रशेखर यादव और देवानंद परतेती की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

तीन दिन में 1500 मरीजों का निःशुल्क उपचार कर 'नवजीवन' ने रचा इतिहास

मेगा शिविर में एंडोस्कोपी, इको और सोनोग्राफी जैसी महंगी जांचें भी रहीं पूरी तरह मुफ्त

राजनांदगांव (दावा)। शहर के डोंगरगांव रोड स्थित नवजीवन मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल द्वारा आयोजित तीन दिवसीय मेगा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में लगभग डेढ़ हजार मरीजों को निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध करा कर एक इतिहास रचा है। उक्त निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में तीन दिनों तक हजारों की भीड़ उमड़ी रही है। शहर में यह पहला एवं ऐसा निराला शिविर रहा जिसमें मरीजों के लिए भोजन-पानी नास्ते की सुविधा के अलावा सोनोग्राफी, इको टेस्ट, एण्डोस्कोपी व कोलोनोस्कोपी सहित ईसीजी व सुगर टेस्ट की सुविधाएं पूरी तरह निःशुल्क थी। शिविर में सेवाएं दे दर्जन भर से ज्यादा डाक्टरों में से सबसे वरिष्ठ जिला चिकित्सालय के जाने-माने सर्जन रहे एंडोस्कोपी विशेषज्ञ डॉ. एम.के. दिवाकर ने पेट की शिकायत लेकर आए दर्जनभर के करीब मरीजों का न केवल उपचार किया एंडोस्कोपी सर्जरी भी कर उन्हें राहत पहुंचाई। मरीजों को नाक कान गला, से लेकर दंत रोग, केंसर रोग, नर्व सिस्टम की शिकायत, नेत्र रोग, हड्डी रोग सहित अन्य रोगो की निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाए देने जुटे विशेषज्ञ डाक्टरों ने अपने उपचार से न केवल मरीजों को सेस्टीफाइड किया। निःशुल्क टेस्ट सुविधा दिलाकर मरीजों का दिल भी जीत लिया।

दर्जनभर से ज्यादा डाक्टरों ने दी निशुल्क उपचार सेवा

नवजीवन मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल एवं डायग्नोस्टिक सेंटर के डॉ. चेतन साहू ने बताया कि शुक्रवार 13 मार्च से प्रारंभ एवं 15 मार्च तक चली इस निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य शिविर में जिला चिकित्सालय के सिविल सर्जन रहे शहर के वरिष्ठतम डॉ. एमके दिवाकर, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. विप्लव चंद्राकर, कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. सौरभ जैन, न्यूरोलाजिस्ट डॉ. ताज मो. सिद्दीकी सहित प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ नेत्र, रोग, नाक-कान-गला रोग चर्म रोग, दंत रोग व अन्य रोगों के लगभग एक दर्जन से ज्यादा विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने शिविर को अपनी निःशुल्क सेवाएं दी और मरीजों का निःशुल्क चेकअप कर चिकित्सा सुविधा मुहैया कराई। उन्होंने बताया कि उक्त मेगा चिकित्सा शिविर में रोजाना साढ़े तीन सौ से चार साढ़े चार मरीज स्वास्थ्य सेवा का लाभ लेने आ रहे थे। अंतिम दिन रविवार को लगभग पांच सौ से ज्यादा मरीज निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा का लाभ लेने आए। जिससे शिविर में लोगों की पैर रखने तक के लिए जगह नहीं थी। अपराह्न 4 बजे तक विशेषज्ञ डॉक्टरों की चिकित्सा सेवाएं लेने मरीजों का तांता लगा रहा।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का उद्देश्य रहा समाजसेवा

नवजीवन हास्पीटल के डॉ. चेतन साहू ने बताया कि समाज सेवा के उद्देश्य से आयोजित इस निःशुल्क मेगा चिकित्सा शिविर में लगभग डेढ़ हजार मरीजों ने विशेषज्ञ डॉक्टरों का चिकित्सीय सेवाओं का लाभ लेकर एक इतिहास रचा है। इस मेगा स्वास्थ्य शिविर में समाजसेवी श्रीमती शारदा तिवारी व पार्षद मणि भास्कर गुप्ता ने पहुंचकर मरीजों को निःशुल्क सेवाएं दे रहे डाक्टरों की सराहना की और उन्हें धन्यवाद ज्ञापित किया।

बता दें कि इस तीन दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष मनोज चौधरी व उनकी टीम, तहसील साहू संघ के अध्यक्ष चंद्रशेखर साहू और उनकी टीम, कसौधन वैश्य गुप्ता समाज, छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन, मां कर्मा रक्तवीर क्लब आदि का सहयोग रहा है। डॉ. चेतन ने बताया कि सुबह 10 से अपराह्न 4 बजे तक अनवरत रुप से चलने वाले इस मेगा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में महिलाओं से संबंधित समस्याओं के लिए हास्पीटल में विशेष कक्ष बनाया गया था। जहां प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. साहू द्वारा महिलाएं का चेकअप कर उन्हें चिकित्सीय परामर्श व तत्संबंधित सुविधा निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा था। वहीं शिविर में डाक्टरों द्वारा लिखे गए प्रिस्क्रिप्शन की दवाईया 10 प्रतिशत छूट में उपलब्ध कराई जा रही थी। मरीजों की सेवा कार्य में जुटे सेवानिवृत्त प्राध्यापक परदेशी राम साहू 9827983421 व पत्रकार घनश्याम साव (डोंगरगांव) ने बताया कि उक्त निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का लाभ लेने न केवल शहर के मरीज अंबागढ़ चौकी डोंगरगढ़, डोंगरगढ़, खैरागढ़ वनांचल क्षेत्र, मानपुर-मोहला क्षेत्र के मरीजों की तीन दिनों तक भीड़ उमड़ी रही।

अनमोल दावा

जो सब्र के साथ इंतजार करना जानते हैं, उनके पास हर चीज किसी न किसी तरीके से पहुंच जाती है।

सम्पादकीय

ईरान हार कर भी जीत जाएगा

युद्ध तीन हफ़्ते चले या तीन महीने, जब ख़त्म होगा तो ईरान अगर हारा तो हार कर भी जीत जाएगा और इज़राइल-अमेरिका जीते भी तो जीत कर हार जाएंगे। इस युद्ध का नतीजा कुछ भी निकले, एक बात तय है कि इस के बाद किसी भी देश पर आक्रमण करने की हिम्मत अमेरिका बरसों-बरस नहीं करेगा।

दुनिया भर को हर वक़्त अपनी धौंसबाज़ी के तेवर दिखाने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ईरान से उलझने के बाद भीतर से इतने भयभीत हो गए हैं कि अंडे के आकार वाले अपने दफ़्तर में आसपास खड़े पादरियों के साथ थरथर मुद्रा में बैठे पूजा-पाठ कर रहे हैं। ट्रंप ने अमेरिका के अलग-अलग हिस्सों से चुनींदा पादरियों को ओवल ऑफिस बुलाया। पादरियों ने अपने हाथ ट्रंप के बदन पर रखे और प्रार्थना की कि 'इस चुनौतीपूर्ण दौर में' उन्हें 'अलौकिक मार्गदर्शन' और 'बुद्धमत्ता' हासिल हो। अमेरिकी सेना की हिफ़ाज़त के लिए भी पादरियों ने विशेष आराधना की। ट्रंप अर्चना-वंदना की पूरी अवधि में अपनी कुर्सी पर सिर झुका कर बैठे रहे और मन-ही-मन कुछ बुदबुदाते रहे।

इस पूजन के मुख्य पादरी टॉम मुलिन्स थे। वे दक्षिण फ्लोरिडा के क्राइस्ट फैलोशिप चर्च के संस्थापक हैं। पादरी बनने के पहले वे फुटबॉल-कोच थे। पॉम बीच गार्डन्स में रहते हैं। ट्रंप का मूल निवास मार-ए-लागो रिसॉर्ट क्लब भी पॉम बीच गार्डन्स में ही है। पूजा-पाठ के बारे में मुलिन्स ने बताया है कि हम ने परमपिता से प्रार्थना की है कि वे ट्रंप के दिलो-दिमाग को इस मौक़े पर विवेक-बुद्धि से ओतप्रोत रखें। हम ने देवलोक से यह अनुरोध भी किया है कि वह अमेरिकी सेना की रक्षा करे।

लक्षण साफ हैं। ट्रंप बाहर से दहाड़ रहे हैं, मगर अंदर-ही-अंदर ख़ुद की मिमियाहट ख़ुद ही सुन रहे हैं। उन्हें अहसास हो गया है कि ईरान के मामले में वे बुरी तरह फंस गए हैं। ईरान को ले कर उन का आकलन ग़लत निकल गया है। तबाह होते ईरान ने इज़राइल को भी बर्बाद करने में कोई कसर बाक़ी नहीं रखी है। अरब और खाड़ी के मुल्क़ों में जितने भी अमेरिकी सैन्य अड्डे थे, उन्हें ईरान ने तक़रीबन ध्वस्त कर दिया है। अमेरिकी प्रशासन को ईरान की तरफ़ से इतने असरदार प्रतिकार का अंदाज़ नहीं था। सो, अब ट्रंप को लग रहा है कि उन्होंने इज़राइली प्रधानमंत्री बैंजामिन नेतन्याहू के चक्कर में अच्छी-ख़ासी मुसीबत मोल ले ली है।

ईरान-प्रसंग में अमेरिका दुनिया में अकेला-सा पड़ गया है और ट्रंप अमेरिका में अकेले पड़ गए हैं। अमेरिकी संसद से ले कर वहां की सड़कों तक पर ट्रंप विरोधी माहौल है। उन्हें अमेरिका को नाहक एक परेशानी में फंसाने के लिए ज़िम्मेदार माना जा रहा है। संयुक्त राष्ट्रसंघ भी ईरान युद्ध की बेहद सख़्ती से निंदा कर चुका है। ज़्यादातर देश ईरान पर हमले को अनुचित बता चुके हैं। इन में वे देश भी शामिल हैं, जो आमतौर पर अमेरिका के हमजोली और हमसफ़र माने जाते हैं। ज़ाहिर है कि इस सब ने ट्रंप के आत्मविश्वास को भीतर से बुरी तरह हिला दिया है और वे पालनहारे की शरण में चले गए हैं। 'तेरे बिन हमरा कौनो नाहीं' की यह मनोदशा किन परिस्थितियों में व्यक्ति का आलिंगन करती है, आप जानते ही हैं।

युद्ध तीन हफ़्ते चले या तीन महीने, जब ख़त्म होगा तो ईरान अगर हारा तो हार कर भी जीत जाएगा और इज़राइल-अमेरिका जीते भी तो जीत कर हार जाएंगे। इस युद्ध का नतीजा कुछ भी निकले, एक बात तय है कि इस के बाद किसी भी देश पर आक्रमण करने की हिम्मत अमेरिका बरसों-बरस नहीं करेगा। ईरान युद्ध से दुनिया भर में उस की दादागीरी का, उस की धौंसपट्टी का, उस की लुच्चागिरी का अंतिम अध्याय लिखा जा रहा है। यह युद्ध ट्रंप की व्यक्तिगत राजनीतिक यात्रा पर भी पूर्ण विराम लगाने वाला साबित होगा।

ईरान युद्ध से किस-किस की अर्थव्यवस्था पर क्या-क्या असर पड़ेगा, इस का विश्लेषण अलग-अलग विशेषज्ञ हर रोज़ कर रहे हैं। युद्ध के नफ़ा-नुक्सान पर 'जाकी रही भावना जैसी' के आवरण से झांकती टिप्पणियां हम आजकल दिन-रात सुन-पढ़ रहे हैं। इस युद्ध से पूरी दुनिया पर होने वाले तरह-तरह के प्रभावों को हम आने वाले दिनों में देखेंगे-भुगतेंगे। मगर जो सब से बड़ा और तक़रीबन अमिट असर यह युद्ध छोड़ कर जाएगा, वह यह होगा कि दशकों-दशक लोग यह याद करेंगे कि, अमेरिका और इज़राइल तो छोड़िए, किस तरह अपने-अपने स्वार्थ साधने की हवस में किन-किन मुल्क़ों ने नैतिकता और न्याय के सिद्धांतों को उठा कर ताक पर रख दिया था?

अर्थवान लोग कभी नहीं भूलेंगे कि कैसे, जब शांति वार्ताएं जारी थीं और चौबीस घंटे बाद एक समझौते पर दस्तखत करने के आसार पूरी तरह बन गए थे, तब अमेरिकी बघर्रे ने ईरानी मेमने पर खराब हो गई अपनी नीयत को एकदम नंगा कर दिया और कौन-कौन फिर भी तमाशबीन बना रहा? कैसे, जब तमाम अंतरराष्ट्रीय नियम-परंपराओं को लात मार कर किनारे कर देने के बाद एक सार्वभौम मुल्क़ के सर्वोच्च नेता की हत्या कर दी गई तो किन-किन की ज़ुबान से अफ़सोस के दो लफ़्ज़ भी नहीं निकले? कैसे जब भारत का मेहमान बन कर आए हथियारविहीन ईरानी युद्धपोत को अपने घर वापस जाते वक़्त अमेरिकी पनडुब्बी ने हिंद महासागर में टारपीडो से ध्वस्त कर दिया तो, बाकी तो छोड़िए, मेज़बान तक की ज़बान भी ख़ामोश ही बनी रही?

उत्पादन, परिवर्तन और विविधीकरण : भारत ने किस प्रकार अपनी ऊर्जा प्रणाली को गतिशील बनाया

आम तौर पर, संरचनात्मक ऊर्जा परिवर्तन शायद ही कभी आरामदायक समय के दौरान होते हैं। वे तब होते हैं जब किसी संकट की लंबे समय तक अनदेखी की जाती है और उसके प्रति निष्क्रिय भाव रखा जाता है। यद्यपि, पिछले 11 वर्षों के दौरान, मोदी सरकार ने इसके विपरीत काम किया है। इसने ऊर्जा क्षेत्र में संरचनात्मक परिवर्तन किए, तब भी जब परिस्थितियां प्रतिकूल नहीं थीं। इसने भारत को वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधानों को सहन करने के प्रति अधिक क्षमता निर्माण में सक्षम बनाया। मोदी सरकार ने घरेलू उत्पादन का विस्तार करके, नए ऊर्जा स्रोतों में परिवर्तन का प्रबंधन करके और आपूर्ति स्रोतों में विविधता लाकर, अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए बाहरी झटकों का सामना करने में देश को अधिक सक्षम बना दिया है।

भारत के लिए इस समस्या का समाधान करने का मार्ग कभी भी मुश्किल नहीं था। आवश्यकता थी, इसे लगातार आगे बढ़ाने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति की। पिछले एक दशक में, मोदी सरकार ने अपनी योजनाओं पर बने रहने का निर्णय लिया। मोदी सरकार ने खुद को आम लोगों के प्रति जवाबदेह बनाया है, जो अपनी समस्याओं का समाधान चाहते थी। इसकी कार्यनीति तीन स्तंभों पर टिकी हुई थी और प्रत्येक ने सरकार से एक अलग तरह की प्रतिबद्धता की मांग की।

पहले कार्यनीति घरेलू उत्पादन की थी। पेट्रोल के साथ इथेनॉल मिलाने की कार्यप्रणाली 2001 में एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में आरंभ हुई थी। फिर भी कई वर्षों तक, भारत ने कोई प्रगति नहीं की और इथेनॉल उत्पादन स्थिर रहा। 2014 के बाद ही व्यापक सुधारों की एक श्रृंखला के माध्यम से, भारत इस पहल की पूरी क्षमता का उपयोग करने में सक्षम हुआ। मोदी सरकार के तहत, देश ने ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने, जलवायु परिवर्तन से निपटने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए व्यापक सुधारों की एक श्रृंखला आरंभ की। इथेनॉल ब्लेंडिंग कार्यक्रम (ईबीपी) के तहत शुरू में 2030 के लिए पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल ब्लेंडिंग का लक्ष्य निर्धारित किया गया था।

हालांकि, 2020 में, आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने इस लक्ष्य को 2025 तक विस्तारित कर दिया, क्योंकि इसने भू-राजनीतिक झटकों की स्थिति में ऊर्जा आयात के प्रति देश की निर्बलता को कम करने के लिए नए सिरे से ध्यान केंद्रित किया। प्रयासों और नीतिगत फोकस के परिणामस्वरूप, पेट्रोल में इथेनॉल ब्लेंडिंग 2014 में 1.5 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 20 प्रतिशत हो गया, जो 11 वर्षों में 13 गुना वृद्धि है। इथेनॉल उत्पादन 2014 में 38 करोड़ लीटर से बढ़कर जून 2025 तक 661.1 करोड़ लीटर हो गया।

20 प्रतिशत इथेनॉल ब्लेंडिंग कार्यक्रम अब सालाना लगभग 44 मिलियन बैरल कच्चे तेल को विस्थापित करता है।

दूसरी कार्यनीति सही तरीके से ऊर्जा परिवर्तन करने से संबंधित थी। मोदी सरकार ने सभी स्तरों पर देश के इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) उद्योग के विकास का समर्थन किया। इसने ऑटोमोबाइल क्षेत्र में शत-प्रतिशत एफडीआई की अनुमति दी, जिसने पिछले चार वर्षों में एफडीआई में 36 बिलियन डॉलर को आकर्षित किया है। प्रौद्योगिकी नवोन्मेषण को प्रोत्साहित करने और ऑटोमोबाइल विनिर्माण क्षेत्र में आपूर्ति श्रृंखला क्षमता का निर्माण करने के लिए प्रोत्साहन योजनाएं आरंभ की गईं। भारत में (हाइब्रिड) ईवी का फास्टर एडॉप्शन एंड मैन्युफैक्चरिंग (फेम ढ्ढ) 2015 में इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड वाहन प्रौद्योगिकी को अपनाने और विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए लॉन्च किया गया था, जिससे इस क्षेत्र का सतत विकास सुनिश्चित हो सके।

योजना के पहले चरण में, लगभग 2.78 लाख ईवी जोड़े गए, जिसके परिणामस्वरूप लगभग 59 मिलियन लीटर ईंधन की बचत हुई। फेम इंडिया योजना के परिणाम और अनुभव के आधार पर, फेम का दूसरा चरण 2019 में आरंभ किया गया। हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों पर अग्रिम मूल्य में कटौती के माध्यम से उपभोक्ताओं (खरीदारों/अंतिम उपयोगकर्ताओं) को प्रोत्साहन और रियायतें प्रदान की गईं, जिससे इसे व्यापक स्तर पर अपनाने की सुविधा मिली। इस पहल ने इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को आबादी के एक बड़े हिस्से के लिए अधिक किफायती और सुलभ बना दिया, जिससे उन्हें अपनाने में तेजी लाने में मदद मिली। इस योजना ने 16 लाख इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की खरीद और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण पर सब्सिडी दी, जिससे 42.9 मिलियन लीटर ईंधन की बचत हुई।

इसके अतिरिक्त, इस पहल के परिणामस्वरूप, 2019-20 की तुलना में 2023-24 में भारत में पंजीकृत इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या में 9.7 गुना वृद्धि हुई। वर्तमान में, भारत के ईवी बाजार में 2025-2026 में तेजी देखी जा रही है, जिसकी बिक्री 2.3 मिलियन यूनिट (कुल वाहन पंजीकरण का लगभग 8 प्रतिशत) तक पहुंच गई है।

ईवी और नवीकरणीय ऊर्जा सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन महत्वपूर्ण खनिजों के संबंध में इस परिवर्तन में निर्भरता से जुड़ा जोखिम भी है। खनिज निर्भरता की जगह तेल निर्भरता के लिए बदलाव से पूर्ण ऊर्जा सुरक्षा हासिल नहीं की जा सकती। इस निर्बलता को दूर करने के लिए, मोदी सरकार ने महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति को सुरक्षित करने और भारत की महत्वपूर्ण खनिज मूल्य श्रृंखलाओं को सुदृढ़ करने के लिए ''राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन'' आरंभ किया।

तीसरी कार्यनीति, मोदी सरकार की ऊर्जा स्रोतों और आपूर्ति भागीदारों के विविधीकरण से जुड़ी थी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने बहु- संयोजन की नीति अपनाई है, जिसने भारत को अपने हितों को आगे बढ़ाने के लिए कई राज्यों के साथ समानांतर, गहरे संबंध विकसित करने में सक्षम बनाया है। इस कूटनीतिक लोकसंपर्क ने भारत के क्रूड सोर्सिंग बेस को एक दशक पहले के 27 देशों से बढ़ाकर आज 40 से अधिक कर दिया है।

इन उपायों के महत्व को समझने का एक उपयोगी तरीका यह विचार करना है कि अगर ये कदम नहीं उठाए गए होते तो स्थिति कैसी दिख सकती थी। रूस-यूक्रेन युद्ध और होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास तनाव जैसी घटनाओं ने बार-बार प्रदर्शित किया है कि आपूर्ति श्रृंखलाएं कितनी जल्दी प्रभावित हो सकती हैं। उदाहरण के लिए विचार करें कि इथेनॉल ब्लेंडिंग जैसे घरेलू विकल्पों के विस्तार के बिना, जिसने 2014 के बाद पहले ही 190 मिलियन बैरल मीट्रिक टन से अधिक कच्चे तेल के आयात (और 1.55 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बचत की है) को प्रतिस्थापित किया है, इस तरह के झटकों के लिए भारत का जोखिम बहुत अधिक और प्रतिकूल परिणाम होता। उस परिदृश्य में (इथेनॉल ब्लेंडिंग को प्राथमिकता नहीं देने की), वैश्विक आपूर्ति व्यवधान भारतीय घरेलू आर्थिक दबाव में बहुत तेजी से परिवर्तित हो गया होता।

अगर मोदी सरकार ने पिछले 11 वर्षों में इन नीतियों को नहीं अपनाया होता, तो इस तरह के व्यवधान भारत की ऊर्जा प्रणाली में गंभीर अस्थिरता पैदा कर सकते थे, जिसके परिणाम भारत जैसी विस्तारित अर्थव्यवस्था के लिए विनाश की सीमा तक पहुंच सकते थे। इसलिए पिछले एक दशक में किए गए सुधारों ने भारत को भू-राजनीतिक अनिश्चितता के दौर में प्रवेश करने में मदद की है, जिसे हम आज अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के प्रबंधन में मजबूत बफर और अधिक लचीलेपन के साथ देख रहे हैं।

हालांकि, वे दिन जब भारत की ऊर्जा सुरक्षा बढ़ी और एक ही समुद्री चॉकपॉइंट में स्थितियों के साथ उनमें गिरावट आ गई, अब व्यतीत हो चुके है। अब किसी एक ही गलियारे में कोई भी व्यवधान एक प्रबंधित सोर्सिंग समायोजन को बढ़ावा देता है, न कि आपूर्ति आपातकाल को बढ़ाता है। चूंकि भारतीय रिफाइनरी कम्पनियां एक निर्धारित मूल स्थान से एक निश्चित स्लेट पर निर्भर नहीं करते हैं, इसलिए यह लचीलापन देश के लिए एक प्राथमिक ऊर्जा सुरक्षा संपत्ति है। जहां होर्मुज जलडमरूमध्य एक महत्वपूर्ण चॉकपॉइंट बना हुआ है, भारत जहाजों का मार्ग फिर से बदल सकता है और अपनी रणनीति को अन्य ऊर्जा-निर्यातक देशों की तरफ स्थानांतरित कर सकता है। भारत आज एक दशक पहले की तुलना में वैश्विक ऊर्जा बाजारों में व्यवधानों को संभालने के लिए कहीं अधिक मजबूत स्थिति में है। एक ऐसी दुनिया में जहां आपूर्ति श्रृंखलाएं तेजी से अनिश्चित होती जा रही हैं, ऊर्जा स्रोतों और साझेदारी का एक व्यापक और अधिक विविध आधार भारत की ऊर्जा आपूर्ति गतिशीलता के लिए एक महत्वपूर्ण सुरक्षोपाय बन गया है।

(पत्र सूचना कार्यालय द्वारा जारी)

विचार सरिता

जीवन कौशल- अपनी असहमति व विरोध को आप विनम्रतापूर्वक अवश्य व्यक्त करें

डॉ. योगेंद्र कुमार पांडेय

जब बात अपने संबंधियों, मित्रों और कार्यस्थल के सहकर्मियों के हित और आपके हित में द्वंद्व या विरोध की आती है, तब आपको अपनी आँखें और दिमाग खुले रखने चाहिए। विशेषकर वहाँ, जहाँ केवल अपना हित देखने के कारण सामने वाला व्यक्ति आपकी असुविधा, अनिच्छा और कठिनाई का ध्यान नहीं रखता। अगर कोई व्यक्ति अपने लिए कार्य योजना बना रहा है, तो यह आवश्यक नहीं कि वह अपने अलावा और लोगों के बारे में सोचे। ऐसे में आपको स्वयं अपना ध्यान रखना पड़ेगा। कोई दूसरा आपका ध्यान रखेगा, इसकी कोई गारंटी नहीं है।

जहाँ आपसी व्यवहार में आप ही एकतरफा सद्?भावना निभा रहे हैं और सामने वाला व्यक्ति इसका फायदा उठाता है, तो इसकी भी एक आखिरी सीमा आ पहुँचती है। उदाहरण के लिए, एक कार्यालय में अगला व्यक्ति आपको अपनी सुविधा के लिए अपने हिस्से का काम थमाते जाता है, तो आप आखिर सौजन्यतावश कितनी बार इसे चुपचाप स्वीकार करेंगे। आप अपनी बारंबार असुविधा या हानि को आगे भी जारी रखेंगे, तो यह आपकी मूर्खता होगी।

ऐसी स्थिति में आपको अपने कष्ट और अपनी असुविधा या असमर्थता को साफगोई से रखना होगा, अन्यथा आप इसी तरह बारंबार उपयोग किए जाते रहेंगे। अतः सही होने पर अपनी असहमति, विरोध को विनम्रतापूर्वक अवश्य व्यक्त कर दें। अगर आप ये सोच रहे हैं कि बिना आपके कहे, सामने वाला अपनी सुविधा छोड़कर आपकी सुविधा का ध्यान रखेगा, तो आप गलतफहमी में हैं। अगर आप सामने वाला व्यक्ति मुझसे नाराज ना हो जाए, या मैं उसे प्रसन्न कर सकूं ; इसी बात का ध्यान रखते रहेंगे तो फिर आप न स्वयं प्रसन्न रह पाएंगे और ना किसी अन्य को भी प्रसन्न कर पाएंगे।

सू- दोकू क्र.343

9		8		1		7		
4		6			7		5	
	3			6		8		9
		3			1		6	
5			6			9		
		9		5			3	
3			7		9			1
	5			2		3	9	
1		4			8		7	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.342 का हल

7	5	6	4	1	2	8	3	9
3	4	8	6	7	9	2	1	5
1	2	9	5	3	8	7	4	6
2	8	1	9	5	6	4	7	3
6	9	7	2	4	3	5	8	1
5	3	4	7	8	1	9	6	2
8	7	2	1	6	5	3	9	4
4	6	5	3	9	7	1	2	8
9	1	3	8	2	4	6	5	7

शब्द सामर्थ्य -343

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. जीत, फतेह 3. राशन सामान बेचने वाली एक जाति, वैश्य 6. मुर्गी की जाति की एक पक्षी, आधा... आधा बटेर 7. कमल, पंकज, भारत के एक दिवंगत प्रधानमंत्री का नाम 8. नहाने का स्थान, स्नानागार 10. ख्वाब, स्वप्न 12. बुलावा, निमंत्रण 14. तबाही, बर्बादी 17. कत्ल, वध 18. क्षतिपूर्ति, मुआवजा 19. करार, चैन, आराम 21. दृष्टि, निगाह 23. नाश करने योग्य 24. लाडला, प्यारा 25. सीताजी, जनकनंदनी।

ऊपर से नीचे

1. शादी, ब्याह 2. अनाथ, निराश्रित 3. साल, वर्ष 4. दोस्ताना, यारी 5. सुर, देव, भगवान 9. मनुष्य, इंसान, आदमी 11. पाटा जाना, चुकता करना, बात तय करना 12. कार्यक्षेत्र, गोल घेरा, वृत्त 13. अधीनता, मातहती, अधिकार 15. नगर 16. गैरजरूरी 20. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 22. धरती, भूतल, धरातल।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 342 का हल

अं	त		म	री	ज			
ग	ह	न	ता		ब	र	ब	स
	की		धि	क्का	र		र	मा
	का		का		द	वा	खा	ना
प	त	वा	र		स्त	र		
ह						दा	मि	नी
ना		ए	ह	ति	या	त		लां
वा	च	क		हा			खू	ब
		ता	ब	ड़	तो	ड़		र

सामयिक चर्चा

समय बताएगा, गलत कौन, सही कौन ?

बानी बोले- ''गजाधर! आज यह खबर
पढ़ने में आया -
हमारे राज्य के संस्कृति मंत्री ने
भागवत कराकर कथावाचक को
बैरग लौटाया।
सुनिए डिटेल -
छत्तीसगढ़ के कथावाचक
डॉ. रामानुरागी महराज ने
वीडियो जारी कर
विधानसभा के बाहर
आत्मदाह करने की बात कही है
जिसका सार यही है
कि संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने
कथा करवाया और अब
पैसे नहीं दे रहे हैं।
कथावाचक बता रहे हैं
कि पैसे पंद्रह लाख रूपए है।
कांग्रेस नेता धनंजय ठाकुर ने
कथावाचक का वीडियो
सोशल मीडिया पर वायरल किया है।
वहीं मंत्री राजेश अग्रवाल ने
आरोपों को झूठा कह दिया है।
उन्होंने कहा कि रामानुरागी महराज ने
कथा आयोजन के लिए
संस्कृति विभाग को आवेदन दिया था।
और जैसे मैं सबका करता हूँ
मैने उनके आवेदन को
रिमार्क कर दिया था।
संस्कृति विभाग ने आवेदन
रिजेक्ट कर दिया था।
आवेदन रिजेक्ट होने पर
वे मुझसे पैसे मांग रहे हैं।''
तो गजाधर! अब आप इस पर
क्या कह रहे हैं?''
गजाधर मुस्कराए, बोले-बानी!
देखो, एक कथावाचक हैं
भागवत के पुजारी
और दूसरे मंत्री जी हैं
राजनीति के खिलाड़ी।
तो हम साधारण व्यक्ति का
कहना है भैया बानी! यही
कि इस प्रकरण को अब
समय पर छोड़ दो!
कौन गलत है और कौन सही!''
(रविवार 15 मार्च 2026)

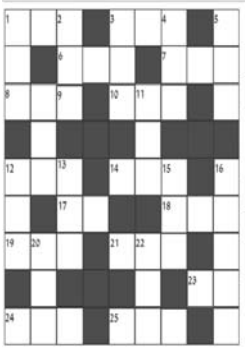

गिरीश बख्शी

राशिफल

मेष

मेष राशि वालों आज आपका दिन बढ़िया रहने वाला है। कृषकों के लिए दिन बेहतर रहेगा। सरकार द्वारा कृषि संसाधनों की प्राप्ति होने से कृषि कार्यों में प्रगति होगी। दांपत्य जीवन में खुशियों का आगाज होगा। आज अगर नया काम शुरू करना चाहते हैं तो आपको सफलता जरूर मिलेगी। प्रतियोगी क्षेत्र में आपको आगे बढ़ने का मौका मिलेगा।

वृष राशि

वृष राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। पिछले कुछ दिनों में स्वास्थ्य से परेशान लोगों को आज काफी राहत होगी। आज ऑफिस में आपके प्रमोशन होने की खुशखबरी मिलेगी। आज घरवालों के साथ खुशी का वातावरण रहेगा। आज किसी बात पर अधिक गौर न करें अन्यथा आपको उलझने होंगी। आज आपका स्वास्थ्य फिट रहेगा।

मिथुन

मिथुन राशि वालों आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। भौतिक सुख सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। बिजनेस में तरक्की के योग बन रहे हैं। आज अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों को बखूबी निभायेंगे, परिवार के लोग आपकी सराहना करेंगे। दांपत्य जीवन में सुख शांति बनी रहेगी। राजनीतिक क्षेत्र में लोगों के साथ बेहतर तालमेल बना कर रखें लोग आपका समर्थन करेंगे।

कर्क

कर्क राशि वालों आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज बड़ों की राय मानना आपके लिए बेहतर साबित हो सकता है। कॉम्पिटीशन की तैयारी कर रहे छात्रों की मेहनत जल्द रंग लाएगी। इस राशि के इलेक्ट्रीशियन और अनाज के कारोबारियों को आज अधिक लाभ मिलने की संभावना है। आपके वैवाहिक जीवन में मधुरता बनी रहेगी।

सिंह

सिंह राशि वालों आज आपका दिन अच्छा गुजरने वाला है। इस राशि के टेक्नॉलॉजी के छात्र किसी टॉपिक में उलझ सकते हैं, बेहतर रहेगा आप किसी सीनियर से राय ले लें। आज कार्य क्षेत्र में कुछ नए लोगों से मुलाकात हो सकती है। उनसे महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है। आज आपके मन में शुभ विचारों का उदय होगा।

कन्या

कन्या राशि वालों आज आपका दिन सामान्य रहेगा। आज अनावश्यक विवाद में पड़ने से बचें वरना आपकी उलझनें बढ़ सकती हैं। आज दोस्तों का भरपूर सहयोग आपको मिलेगा। पारिवारिक संबंधों में पहले की अपेक्षा अधिक गहराई और अपनापन आपको महसूस हो सकता है। आपके व्यवहार में विनम्रता और लचीलापन ही समाज में आपको सम्मान बढ़ाएगा।

तुला

तुला राशि वालों आज आपका दिन अच्छा जाने वाला है। प्राइवेट जॉब कर रहे लोगों के बॉस उनकी सैलरी में इन्क्रीमेंट करने घोषणा करेंगे, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आज पारिवारिक सुख समृद्धि में वृद्धि होगी। आज किसी धार्मिक स्थल पर जाने का प्रोग्राम बना सकते हैं। आपके द्वारा लिए गए निर्णय में परिवार का भरपूर सपोर्ट मिलेगा।

वृश्चिक

वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। कार्य क्षेत्र में आपकी कड़ी मेहनत सफलता दिलाएगी जिससे आपके मनोबल में वृद्धि होगी और व्यापार की शिथिलता से आपको राहत मिलेगी। होटल रेस्टॉरेंट के बिजनेस में आज सेल दोगुनी होगी। आज शाम आप दोस्तों के साथ डिनर पार्टी का आयोजन कर सकते हैं।

धनु

धनु राशि वालों आज आपका दिन शुभ फलदायक साबित होगा। किसी काम के लिए आज आप कई बड़े फैसले ले सकते हैं। आज आपकी सूझबूझ और मेहनत से पड़ोस में चल रहे काफी पुराने विवाद का निपटारा हो जायेगा। रुकी हुई पेमेंट मिलने से आर्थिक पक्ष बेहतर होगा। अपने जीवनसाथी को किसी मामूली बात पर डांटने की बजाय विनम्रता से समझाएं इससे आप दोनों के बीच भरोसा और अंडरस्टैंडिंग बेहतर होगी।

मकर

मकर राशि वालों आज आपका दिन सकारात्मक ऊर्जा से भरा रहेगा। आज मनपसंद कपड़े लेने की ओर आपका ध्यान आकर्षित होगा। बेटी का उसके मनचाहे फील्ड में सेलेक्शन होने के योग बन रहे हैं। आपके वैवाहिक जीवन में खुशियों का आगमन होगा। आज जल्दबाजी के चक्कर में काम गलत हो सकता है। ध्यान से काम करने की आवश्यकता है।

कुंभ

कुम्भ राशि वालों आज आपका दिन मिला जुला अनुभव देने वाला रहेगा। राजनीति में आज आपके कार्यभार की जिम्मेदारी बढ़ सकती है। दांपत्य जीवन की अनबन आज समाप्त होगी। आज बड़ों की बात ध्यान से सुनें बात को बीच में न काटें। इस राशि के लव मेट शाम को शॉपिंग पर जायेंगे। दिन मनोरंजन से भरपूर रहेगा।

मीन

मीन राशि वालों आज आपका दिन लाभदायक रहने वाला है। आज सबके प्रति स्नेह पूर्वक रहें। आज समझदारी से बातों को समझेंगे। आज आपके लिए आय के नए मार्ग प्रदर्शित होंगे। विद्यार्थियों की आज लेखन कार्य में रुचि बढ़ेगी। आप किसी प्रतियोगिता में हिस्सा ले सकते हैं। हार्डवेयर के कारोबारियों का काम अच्छा चलेगा।

विभागीय उदासीनता से कैसे जागरूक होंगे किसान ?

डोंगरगांव (दावा)। क्षेत्र में विगत वर्षों में लगातार बढ़ते भीषण गर्मी और गिरता वॉटर लेबल गंभीर चिंता का विषय है। हलाकि राज्य और केन्द्र सरकार के द्वारा विभिन्न चरणों में जागरूकता अभियान चलाकर ग्रामीणों और किसानों को जागरूक करने का प्रयास संबंधित विभाग के माध्यम से करती है, लेकिन धरातल में इस विशेष प्रभाव दिखाई नहीं देता। डोंगरगांव क्षेत्र के अर्जुनी से लगे अनेक ग्रामों में आज भी सैकड़ों एकड़ में रबी फसल के रूप में धान लिया जा रहा है। धान के गर्मी फसल में पानी की मात्रा सामान्य से काफी अधिक लगती है। वहीं किसानों को फसल चक्र अपनाने के लिए जिला मुख्यालय व्दारा दिये गए निर्देश भी बेमानी लगते हैं।

शनिवार को जिला पंचायत एवं जनपद पंचायत डोंगरगांव के व्दारा केन्द्र की टीम को बडगांव चारभाठा सहित क्षेत्र के अन्य ग्रामों में जल संरक्षण और फसल संगोष्ठी का आयोजन कर ग्रामीणों और किसानों को जागरूक करने का प्रयास किया गया।

0 डोंगरगांव क्षेत्र में आज भी सैकड़ों एकड़ में ली जा रही धान की रबी फसल
0 फसल चक्र में सबसे बड़ी बाधा बने बंदर और जंगली सूअर, शासन के निर्देश धरातल पर बेअसर

बता दें इस क्षेत्र में पानी की कमी के चलते वैसे ही किसान रबी फसल की ओर ध्यान नहीं देते और अधिकांश खेत एक फसल के बाद खाली पड़े रहते हैं।

वहीं दूसरी ओर रूदगांव, रातापायली, किरगी, अर्जुनी, रूपाकाठी सहित ऐसे बहुत से गांव हैं। जहां के किसान मार्च-अप्रैल के माह में धान की फसल लेते हैं। शासन-प्रशासन द्वारा गर्मियों में पानी संरक्षण के लिए कम पानी वाले फसल लेने के लिए प्रेरित करती है लेकिन किसान अधिक बिक्री मूल्य के चलते धान की फसल में ज्यादा ध्यान देते हैं। कुछ चुनिंदा किसानों द्वारा फसल चक्र अपनाते हुए दलहन या तिलहन के फसलों को लेने का प्रयास भी किया जाता है तो बड़ी संख्या में बंदर और जंगली सूअर गर्मी फसलों के लिए परेशानी का सबब बने हुए हैं। इसके लिए शासन-प्रशासन को समय से पूर्व ही सभी किसानों की सहमति बनाकर एक साथ एक तरह का फसल लेने प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। जिससे व्यक्तिगत नुकसान में कमी आए। वहीं समय बीतने के बाद जल संरक्षण और फसल चक्र परिवर्तन जैसे कैम्प करने से किसी को कुछ भी हासिल नहीं होने वाला है।

लालपुर स्टॉप डेम में कीड़े और बदबूदार पानी, खैरागढ़ में जल संकट पर कांग्रेस का हल्ला बोल

0 शहर कांग्रेस ने किया स्थल निरीक्षण, पालिका प्रशासन को सुधार के लिए 5 दिन का अल्टीमेटम

खैरागढ़ (दावा)। शहर में गहराते जल संकट और लालपुर स्टॉप डेम की दुर्दशा को लेकर रविवार को शहर कांग्रेस कमेटी ने मोर्चा खोल दिया। विधायक यशोदा नीलाम्बर वर्मा के निर्देश पर कांग्रेस नेताओं की टीम ने स्टॉप डेम का स्थल निरीक्षण किया। जहां डेम का पानी सूखने की कगार पर मिला और बचा हुआ पानी कीड़ों व बदबू से भरा पाया गया। कांग्रेस ने इसे नगरपालिका प्रशासन की गंभीर लापरवाही बताते हुए उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है। शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अरुण भारद्वाज के नेतृत्व में किए गए निरीक्षण में पाया गया कि लगभग दो करोड़ की लागत से बना यह एनीकट पूरी तरह बदहाल है। श्री भारद्वाज ने आरोप लगाया कि एनीकट की ऊंचाई बढ़ाने के लिए खर्च किए गए अतिरिक्त एक करोड़ रुपये भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गए। उन्होंने कहा कि जिस जल स्रोत पर शहर के कई वार्ड निर्भर हैं। वहां पानी अब उपयोग के लायक नहीं बचा है। डेम परिसर में शराब की बोतलें और गंदगी का अंबार लगा हुआ है। जिससे स्थिति और भी भयावह हो गई है।

निरीक्षण के दौरान पता चला कि पर्याप्त पानी न होने के कारण वर्तमान में जलापूर्ति ठप है। अरुण भारद्वाज ने नगरपालिका सीएमओ को कड़ी चेतावनी देते हुए 5 दिन का अल्टीमेटम दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि निर्धारित समय में डेम की सफाई और पानी की व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई, तो कांग्रेस कमेटी व्यापक जन आंदोलन करेगी।

नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर सवाल

नेता प्रतिपक्ष दीपक देवांगन ने कहा कि पालिका की बैठकों में बार-बार मुद्दा उठाने के बावजूद प्रशासन मौन है। उन्होंने आरोप लगाया कि शहर का गंदा पानी नालियों के जरिए सीधे नदी में मिल रहा है। करोड़ों की लागत से बना वाटर प्लांट बंद पड़ा है। गर्मी की शुरुआत में ही शहरवासी बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं। इस दौरान पुरन सारथी, रविन्द्र सिंह गहरवार, सूर्यकांत यादव, शेखर दास वैष्णव, महेश यादव, हरि दर्शन, नरेश सिन्हा, विनोद सिन्हा, भूपेंद्र वर्मा, रतन सिंघी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित थे। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि अधिकारी जनहित की समस्याओं को सुलझाने के बजाय केवल कागजी औपचारिकताएं पूरी कर रहे हैं।

पहला कॉलम...

सिविल अस्पताल खैरागढ़ को मिली चिकित्सकीय सामग्री

खैरागढ़ (दावा)। आईडीबीआई बैंक खैरागढ़ द्वारा 'होप' कार्यक्रम के अंतर्गत कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत शासकीय सिविल अस्पताल खैरागढ़ को विभिन्न चिकित्सा उपकरण एवं सामग्री प्रदान की गई। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाना और अस्पतालों को आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रेम कुमार पटेल, बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक सरबजीत सिंह, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आशीष शर्मा, खैरागढ़ शाखा प्रबंधक दीपक कुमार साहू, डॉ. बोधन परते, संजय श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा अस्पताल प्रबंधन को बीपी मशीन, व्हीलचेयर, स्ट्रेचर, ड्रिप स्टैंड सहित अन्य आवश्यक चिकित्सा सामग्री भेंट की गई। वक्ताओं ने कहा कि इस सहयोग से अस्पताल में आने वाले मरीजों के उपचार और सुविधाओं में सुधार होगा तथा भविष्य में भी ऐसे सहयोगात्मक प्रयास जारी रहेंगे।

मनरेगा बचाव और जनहित मुद्दों पर कांग्रेस का हल्ला बोल, 17 मार्च को राजधानी में विधानसभा घेराव

डोंगरगढ़ (दावा)। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान और जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के निर्देश पर रविवार को नवीन विश्राम भवन में शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक मनरेगा बचाव संग्राम और प्रदेश के ज्वलंत जनहित मुद्दों को लेकर 17 मार्च को रायपुर में होने वाले विधानसभा घेराव की तैयारियों को लेकर की गई। बैठक में मुख्य रूप से डोंगरगढ़ प्रभारी श्रीमती हेमा देशमुख, विधायक श्रीमती हर्षिता स्वामी बघेल और पूर्व विधायक भुनेश्वर बघेल उपस्थित रहे। नेताओं ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार की नीतियों के कारण मनरेगा जैसी जनकल्याणकारी योजनाएं संकट में हैं और आम जनता बुनियादी समस्याओं से जूझ रही है। प्रदेश महामंत्री डॉ. थानेश्वर पाटिला, महिला उपाध्यक्ष श्रीमती संध्या देशपांडे, संयुक्त मंत्री प्रदीप शर्मा, जिला महामंत्री पंकज बाँधव और विष्णु लोधी ने भी घेराव को सफल बनाने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

कार्यक्रम का संचालन शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष हरीश भंडारी ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन ग्रामीण कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पंचराम चंदेल द्वारा किया गया। बैठक में कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर से लेकर ब्लॉक स्तर तक लोगों को एकजुट करने और अधिक से अधिक संख्या में रायपुर पहुंचने की जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में श्रीमती कुसुम दुबे, खैरु निशा, ममता शिंदे, ललित साखरे, अनिल मेश्राम, रिमी भाटिया, शिशुपाल भारती, माया सिंगाडे, जितेंद्र भाटिया, पूर्व अध्यक्ष विजय राज, रामजी तराने, प्रमोद टेम्बुलकर, मतीन खान, नरेश करसे, मंडल अध्यक्ष दिनेश साखरे, पार्षद के विनायक राव, पार्षद जय किशोर अंबादे, ऋषि शर्मा, कृष्णा गुप्ता, संजीव गुप्ता, केशव टांडी, छगन साहू, संतोष सिन्हा, संजय सिन्हा, ईश्वर साहू, मंगल साहू सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे।

गैस की किल्लत और बढ़ती कीमतों से जनता परेशान, भाजपा सरकार नाकाम - रतन सिंगी पूर्व एल्डरमैन

खैरागढ़ (दावा)। प्रदेश में रसोई गैस की आपूर्ति बाधित होने और सिलेंडर के दामों में लगातार वृद्धि को लेकर नगर पालिका परिषद खैरागढ़ के पूर्व एल्डरमैन रतन सिंगी ने केंद्र और राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पिछले एक सप्ताह से घरेलू गैस की आपूर्ति प्रभावित है। जिससे आम उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई जगह गैस एजेंसियों के सामने लंबी कतारें लग रही हैं, फिर भी लोगों को समय पर सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है। पूर्व एल्डरमैन रतन सिंगी ने कहा कि एक तरफ भाजपा सरकार गैस सिलेंडर के दाम बढ़ाकर जनता की जेब पर बोझ डाल रही है। वहीं दूसरी ओर गैस की पर्याप्त उपलब्धता भी सुनिश्चित नहीं कर पा रही है। हाल ही में घरेलू गैस के दाम में 60 रुपये और कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में 115 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। जिससे महंगाई की मार झेल रही जनता और ज्यादा परेशान हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि गैस बुकिंग की व्यवस्था भी चरमरा गई है। कई जगह बुकिंग नंबर बंद या सर्वर डाउन होने की शिकायतें आ रही हैं। जिसके कारण लोगों को सिलेंडर बुक कराने में भी दिक्कत हो रही है।

ग्राम हालेकोसा में मानिकपुरी समाज के नवनिर्मित भवन का भव्य लोकार्पण

छुरिया (दावा)। विकासखंड के ग्राम पंचायत हालेकोसा में मानिकपुरी समाज के लिए एक गौरवशाली अध्याय जुड़ गया है। सांसद संतोष पाण्डेय के विशेष सहयोग से निर्मित नवनिर्मित मानिकपुरी भवन का लोकार्पण समारोह हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत राजनांदगांव की अध्यक्ष श्रीमती किरण रविन्द्र वैष्णव उपस्थित रहीं, जबकि अध्यक्षता जनपद पंचायत छुरिया के अध्यक्ष संजय सिन्हा ने की। लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्रीमती किरण रविन्द्र वैष्णव ने कहा कि समाज के लिए सामुदायिक भवन केवल एक ढांचा नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, संस्कृति और सामूहिक विकास का केंद्र होता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसे भवन समाज के लोगों को एकजुट होकर सामाजिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने समाज की उन्नति में आपसी सहयोग और एकजुटता की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।

आत्मीय स्वागत और आभार प्रदर्शन

कार्यक्रम के प्रारंभ में मानिकपुरी समाज के

सामाजिक एकता और विकास का केंद्र बनेगा नवनिर्मित भवन : किरण रविन्द्र वैष्णव

पदाधिकारियों एवं ग्रामीणों द्वारा अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ सदस्य धर्मदास मानिकपुरी, रमेश दास, पवन दास, भुवन दास, दिनेश दास, जगत दास, सेवादास और चिंतादास मानिकपुरी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे। अंत में समाज के पदाधिकारियों ने भवन निर्माण में सहयोग देने वाले सांसद संतोष पाण्डेय, समस्त जनप्रतिनिधियों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सामाजिक संगठन होगा मजबूत

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जनपद अध्यक्ष संजय सिन्हा ने अपने संबोधन में कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रकार के भवनों का निर्माण सामाजिक संगठन और सामुदायिक गतिविधियों को मजबूती प्रदान करता है। यह भवन अब सामाजिक बैठकों और विभिन्न सामुदायिक आयोजनों का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में राजेश्वर धुर्वे (अध्यक्ष, सेवा सहकारी समिति छुरिया), कुंदन बडोले (सरपंच प्रतिनिधि, शिकारीमहका), श्रीमती किरण साहू (पूर्व जिला पंचायत सदस्य), तुलाराम साहू (सरपंच, ग्राम पंचायत हालेकोसा), अमरदास साहेब (जिला न्यायाधीश), राजेशदास मोंगरे (ग्राम पटेल एवं समाज अध्यक्ष) एवं अमरदास मोंगरे (जिला व्यायाम शिक्षक संघ) और उपसरपंच श्रीमती संतोषी चंद्रवंशी उपस्थित रहे।

ब्लाक कांग्रेस कमेटी छुरिया का बैठक संपन्न

छुरिया (दावा)। आगामी 17 मार्च को छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी रायपुर द्वारा होने वाले मनरेगा बचाओ संग्राम एवं अन्य विभिन्न मुद्दों को लेकर विधानसभा घेराव के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिला प्रभारी श्रीमति ममता चंद्राकर (पूर्व विधायक पंडरिया), खुज्जी विधानसभा प्रभारी डॉ. थानेश्वर पाटिला (प्रदेश महामंत्री), जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विपिन यादव, पूर्व विधायक खुज्जी श्रीमती छन्नी चंदू साहू, रूपेंद्र वर्मा पीसीसी डेलीगेट, राहुल तिवारी महामंत्री प्रभारी, धर्मेंद्र साहू अध्यक्ष ब्लाक कांग्रेस कमेटी छुरिया, चुम्मन साहू, पंकज बांधव, तरुण सिन्हा, सोनू खान, राजेंद्र मारकंडे, मोहम्मद वसीम, भावेश सिन्हा, गोचरण साहू, रोहित चंद्रवंशी, चंद्रिका वर्मा, श्रीमति सीमा यादव, राजकुमारी सिन्हा, अकील मेमन, राजील कुरैशी की उपस्थिति में ब्लॉक के सभी वरिष्ठ साथियों, सभी मंडल अध्यक्षों एवं सम्माननीय महिला-पुरुष कार्यकर्ताओं के साथ विस्तृत चर्चा की गई। चर्चा के पश्चात यह निर्णय लिया गया कि सभी मण्डल व सेक्टर से से अधिक से अधिक संख्या में कार्यकर्ता 17 मार्च को होने वाले विधानसभा घेराव कार्यक्रम में शामिल होंगे।

गंडई महाविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी संपन्न, भारतीय ज्ञान परंपरा से विकसित भारत के निर्माण पर मंथन

गंडई (दावा)। स्थानीय शासकीय महाविद्यालय गंडई में विकसित भारत के परिप्रेक्ष्य में भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर आयोजित द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का सफलतापूर्वक समापन हुआ। संस्थान के इतिहास में पहली बार आयोजित इस बड़े राष्ट्रीय सेमिनार में देश के विभिन्न प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के शिक्षाविदों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और प्राचीन भारतीय ज्ञान को आधुनिक विकास का आधार बताया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि पद्मश्री अजय मंडावी ने अपने संबोधन में भारतीय संस्कृति और कला की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने विशेष रूप से जनजाति शिल्प परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि हम अपनी पारंपरिक कलाओं को वर्तमान रोजगार और नवाचार से जोड़े, तो विकास के नए मार्ग प्रशस्त होंगे। कार्यक्रम के विशिष्ट वक्ता डॉ. सुरेश पटेल ने भी भारतीय ज्ञान परंपरा के विभिन्न वैज्ञानिक और सामाजिक आयामों पर सारगर्भित उद्बोधन दिया।

पद्मश्री अजय मंडावी ने शिल्प परंपरा को रोजगार से जोड़ने पर दिया जोर, 140 शोधार्थियों ने पढ़े शोधपत्र

अकादमिक मंथन और शोध

इस राष्ट्रीय संगोष्ठी की कुछ प्रमुख उपलब्धियां इस प्रकार रहीं। जिसमें देशभर से आए 140 से अधिक प्रतिभागियों ने अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए। संगोष्ठी में शिक्षा, विज्ञान, दर्शन और संस्कृति के क्षेत्र में भारतीय ज्ञान की प्रासंगिकता पर गहन चर्चा हुई। कार्यक्रम में डॉ. महेश श्रीवास्तव, डॉ. भुवाल सिंह, डॉ. सियाराम शर्मा और डॉ. अवधेश श्रीवास्तव सहित अनेक गणमान्य शिक्षाविद उपस्थित रहे। यह आयोजन पूर्व प्राचार्य डॉ. डी.पी. कुर्रे के कुशल नेतृत्व तथा वर्तमान प्राचार्य डॉ. एन. एस. वर्मा के संरक्षण में संपन्न हुआ। संगोष्ठी की सफलता में नगर पंचायत अध्यक्ष लाल टाकेश्वर शाह खुशरो का विशेष योगदान रहा। महाविद्यालय परिवार, अधिकारियों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों के सामूहिक प्रयासों से संपन्न यह आयोजन संस्थान की शैक्षणिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि और मील का पत्थर सिद्ध हुआ है।

शराब पीने से मना करने पर चाकूबाजी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, भेजा जेल

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर के पास की घटना; गंभीर रूप से घायल दो युवक अस्पताल में भर्ती

डोंगरगढ़ (दावा)। स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर के पास शराब पीने से मना करने पर दो युवकों पर जानलेवा हमला करने वाले दो आरोपियों को डोंगरगढ़ पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है, जबकि मामले के दो अन्य आरोपी अब भी फरार हैं। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, प्रार्थी मगन दास मानिकपुरी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 13 मार्च को भोज मानिकपुरी और ललित मानिकपुरी पुराने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर के अंदर कुएं के पास बैठे थे। उसी समय अजय मंडावी, अनिल थापा, दिनेश और गज्जू वहां पहुंचकर शराब पीने लगे। जब भोज और ललित ने उन्हें वहां शराब पीने से मना किया, तो चारों आरोपियों ने एक राय होकर गाली-गलौज शुरू कर दी। विवाद इतना बढ़ा कि आरोपियों ने जान से मारने की धमकी देते हुए अपने पास रखे चाकू से उन पर हमला कर दिया।

चाकूबाजी की इस घटना में ललित मानिकपुरी के पीठ और कंधे पर गंभीर घाव आए हैं। वहीं भोज मानिकपुरी के पेट में चाकू लगने से गहरी चोट आई है। दोनों घायलों को तत्काल उपचार हेतु भर्ती कराया गया है। प्रार्थी की शिकायत पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 129/2026 के तहत धारा 296, 351(2), 109, 3(5) बीएनएस (भारतीय न्याय संहिता) के तहत मामला दर्ज किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए राजनांदगांव पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के निर्देश पर थाना प्रभारी संतोष जायसवाल के नेतृत्व में टीम गठित की गई। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दो मुख्य आरोपियों को हिरासत में लिया है। जिसमें अजय मंडावी (27 वर्ष) निवासी बुधवारी पारा, अनिल थापा (28 वर्ष) निवासी रजा नगर जेल रोड आदि है। पूछताछ के दौरान दोनों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। जिसके बाद उन्हें न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया। पुलिस अब फरार आरोपी दिनेश और गज्जू की सरगर्मी से तलाश कर रही है।

पथरा नवागांव में मनरेगा से हुआ तालाब गहरीकरण, ग्रामीणों की मेहनत की जनपद अध्यक्ष ने की सराहना

छुरिया (दावा)। विकासखंड के ग्राम पंचायत अरजकुण्ड के आश्रित ग्राम पथरा नवागांव में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना अंतर्गत चल रहे तालाब गहरीकरण कार्य का निरीक्षण के दौरान संजय कुमार सिन्हा अध्यक्ष जनपद पंचायत छुरिया, गोपाल भुवार्य सभापति जिला पंचायत, रूखमणी सिन्हा सरपंच, कुंदन बडोले मौजूद रहे। श्री सिन्हा ने मौके पर उपस्थित श्रमिकों को केंद्र सरकार के महत्वाकांक्षी योजना जीरामजी के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि उक्त योजना में अब मजदूरों को 125 दिन का रोजगार देने की बात कही। साथ ही बारिश के दिनों में योजना संचालित नहीं होगी। ताकि कृषि कार्यों में मजदूरों को कोई परेशानी न हो। इस योजना में भवन, पुल, शेड के साथ बहुत सारे निर्माण कार्यों को इस योजना में शामिल किया है। जिसका लाभ सीधा ग्रामीणों को मिलेगा। साथ ही श्रमिकों द्वारा किए जा कार्यों की प्रसंशा करते हुए कहा कि आज मुझे बहुत खुशी हो रही है कि हम सब यहां एक ऐसे कार्य के निरीक्षण के लिए पहुंचे हैं। जो हमारे गांव के विकास, पर्यावरण संरक्षण और जल संरक्षण से जुड़ा हुआ है। मैं विशेष रूप से उन सभी मजदूर साथियों की सराहना करना चाहता हूँ। जिन्होंने मनरेगा के अंतर्गत तालाब गहरीकरण कार्य को मेहनत और लगन से पूरा किया है। हम सब जानते हैं कि जल ही जीवन है। अगर गांव में पानी रहेगा तो खेती होगी। पशुपालन होगा और हमारा जीवन भी खुशहाल होगा। हमारे पूर्वजों ने तालाब, कुएं और जल स्रोत बनाकर हमें एक बड़ी धरोहर दी थी, लेकिन समय के साथ कई तालाब उथले हो गए थे। ऐसे समय में मनरेगा के माध्यम से तालाब का गहरीकरण करना बहुत ही महत्वपूर्ण और सराहनीय कार्य है।

गोपाल भुआर्य ने बताया कि मैं हमारे सभी मजदूर भाईयों और बहनों को दिल से धन्यवाद देना चाहता हूँ। आपने धूप, गर्मी और कठिन परिस्थितियों में भी मेहनत करके इस तालाब को गहरा और उपयोगी बनाया है। आपकी मेहनत केवल एक काम नहीं है, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए पानी बचाने का महान प्रयास है। इस तालाब के गहरीकरण से कई फायदे होंगे। बरसात का पानी अधिक मात्रा में संग्रहित होगा। किसानों को सिंचाई के लिए पानी मिलेगा। भूजल स्तर बढ़ेगा। पशुओं और गांव के लोगों को पानी की सुविधा मिलेगी। यानी यह कार्य केवल आज के लिए नहीं, बल्कि गांव के भविष्य के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है। मैं यह भी कहना चाहूंगा कि मनरेगा योजना सरकार की एक ऐसी योजना है। जो गांव में रोजगार देने के साथ-साथ विकास के कार्य भी करती है। इस योजना के माध्यम से हमारे गांव में सड़क, तालाब, नाला और कई उपयोगी कार्य हो रहे हैं। गांव का विकास तभी संभव है, जब हम सब मिलकर काम करें। आप सभी मजदूरों की मेहनत हमारे गांव की ताकत है। आपकी मेहनत से ही गांव आगे बढ़ेगा और खुशहाल बनेगा। अंत में मैं फिर से सभी मजदूर भाइयों-बहनों को धन्यवाद और बधाई देता हूँ। आप इसी तरह मेहनत और लगन से काम करते रहें और अपने गांव के विकास में योगदान देते रहे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रमिक भाई उपस्थित रहे।

आज सांगिनकछार में भक्त माता कर्मा जयंती

डोंगरगांव (दावा)। साहू समाज की आराध्य देवी भक्त माता कर्मा जयंती 16 मार्च को ग्राम सांगिनकछार में आयोजित किया गया है। आयोजन समिति द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार ग्राम साहू समाज के तत्वावधान में स्कूल चौक सांगिनकछार आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 10 बजे मां कर्मा की पूजा-अर्चना के साथ होगा। इसके बाद प्रातः 11 बजे से अतिथियों का आगमन, स्वागत एवं संबोधन कार्यक्रम के बाद दोपहर 12 बजे से जस झांकी ग्राम झंडा तालाब वालों कार्यक्रम होगा।

इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत सभापति जागृति चुन्नी यदु शामिल होंगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिक्षेत्र कोकपुर के संरक्षक प्यारेलाल साहू करेंगे। इसके अलावा कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में जनपद पंचायत अध्यक्ष डोंगरगांव रंजिता पडौटी, ग्राम पंचायत सांगिनकछार सरपंच सुमरित मनोहर वर्मा तथा ग्राम पटेल होमेश्वर वर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आयोजन समिति के अध्यक्ष सेवाराम साहू, उपाध्यक्ष सोनचंद साहू, महिला उपाध्यक्ष दुर्गाबाई साहू, सचिव तुलाराम साहू, संगठन सचिव मुरारीराम साहू तथा महिला सह-संगठन सचिव कविता बाई साहू सहित समाज के सदस्य तैयारियों में जुटे हुए हैं।

नेहरू कॉलेज में वरिष्ठ भूतपूर्व छात्रों का सम्मान, मेधावी छात्रों के लिए उमड़ा सहयोग का हाथ

डोंगरगढ़(दावा)। शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय, डोंगरगढ़ में 7 मार्च शनिवार को नवीन महाविद्यालय भवन में वरिष्ठ भूतपूर्व छात्रों का सम्मान समारोह गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के एलुमनी संगठन द्वारा किया गया, जिसमें महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. ई. वी. रेवती संरक्षक के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में महाविद्यालय के अनेक वरिष्ठ भूतपूर्व छात्र-छात्राओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर मुख्य रूप से डॉ. आर. एन. सिंह, डॉ. एच. एस. भाटिया, डॉ. दिनेश कुमार नामदेव, अधिवक्ता मुख्तार अहमद कुरैशी, गोपाल अग्रवाल, डॉ. श्रीमती बेबी नंदा मेश्राम, ललित किशोर नारंग, सुनील जैन, रमन डोंगरे सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही।सभी अतिथियों का महाविद्यालय परिवार द्वारा पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित सभी वरिष्ठ भूतपूर्व छात्र-छात्राओं ने अपना परिचय देते हुए छात्र जीवन की स्मृतियों को साझा किया। उन्होंने महाविद्यालय में बिताए गए अपने अनुभवों और यादगार क्षणों को याद करते हुए वर्तमान विद्यार्थियों को प्रेरणा दी। कार्यक्रम के दौरान संगीतपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण बना रहा, जिससे सभी उपस्थितजन भावुक और आनंदित दिखाई दिए। कार्यक्रम के सफल आयोजन में संयोजक मंडल के रमन डोंगरे, विपुल अग्रवाल, दविंदर सिंह भाटिया, उषा किरण शाह, रोहित वाल्दे, प्रफुल चावड़ा तथा योद्धा सिंह राठौड़ का विशेष योगदान रहा।एल्युमिनि समिति के संयोजक डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए भूतपूर्व छात्रों के महाविद्यालय से निरंतर जुड़ाव के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का सफल एवं प्रभावी मंच संचालन भी डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर द्वारा किया गया।समारोह के अंत में समिति की ओर से सभी वरिष्ठ भूतपूर्व छात्र-छात्राओं को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय की परंपरा के अनुसार यह जानकारी दी गई कि शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्रतिवर्ष विश्वविद्यालय की मेरिट सूची में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक एवं रजत पदक प्रदान कर सम्मानित किया जाता है। इस पुनीत कार्य को आगे बढ़ाने के लिए उपस्थित भूतपूर्व छात्रों ने भी सहयोग प्रदान किया। इसी क्रम में मुसरा हाई स्कूल में पदस्थ प्राचार्य के. रघुनाथ ने महाविद्यालय को 20 हजार की सहयोग राशि प्रदान की। वहीं हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग के खेल संचालक डॉ. दिनेश कुमार नामदेव ने 11 हजार की राशि प्रदान की। इसके अतिरिक्त ललित किशोर नारंग ने मेडल प्रदान कर सहयोग किया, जबकि डॉ. आर. एन. सिंह एवं डॉ. श्रीमती बेबी नंदा मेश्राम ने भी 20-20 हजार, डॉ के के वर्मा द्वारा 10 हजार की सहयोग राशि प्रदान कर इस पहल को प्रोत्साहित किया। महाविद्यालय परिवार ने सभी सहयोग कर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

के. रघुनाथ सहित अन्य वरिष्ठ पूर्व छात्रों ने स्वर्ण पदक हेतु प्रदान की प्रोत्साहन राशि

भ्रष्टाचार में डूबे अध्यक्ष-उपाध्यक्ष को अविश्वास से तो बचा लिया, क्या जांच भी करवाएंगे जिलाध्यक्ष : प्रीति वैष्णव

डोंगरगढ़ (दावा)। डोंगरगढ़ जनपद पंचायत में भाजपा समर्थित अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव के टलने के बाद अब आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की नेता सुश्री प्रीति वैष्णव ने भाजपा के जिला नेतृत्व पर तीखा हमला बोलते हुए सवाल किया है कि भ्रष्टाचार को संरक्षण देने वाले नेता क्या अब गबन के मामलों की जांच करवाने का साहस दिखाएंगे?

विकास निधि डकारने वालों को मिला संरक्षण

सुश्री प्रीति वैष्णव ने जारी बयान में कहा कि लगातार भ्रष्टाचार और कार्यकर्ताओं की अनदेखी के कारण ही भाजपा समर्थित अध्यक्ष-उपाध्यक्ष को अपनों के ही बीच अविश्वास का सामना करना पड़ा। उन्होंने आरोप लगाया कि विकास निधि के लाखों रुपयों का बंदरबांट किया गया है। भाजपा जिलाध्यक्ष ने अविश्वास प्रस्ताव से तो इन्हें बचा लिया, लेकिन क्या वे उन लाखों रुपयों के गबन की जांच करवाएंगे जो गलत तरीके से हड़पे गए हैं?

बिना सामान्य सभा के वर्क ऑर्डर जारी करने का आरोप

कांग्रेस नेत्री ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि पिछले एक साल में जनपद में सप्लाई के काम हों या फंड वितरण, सब कुछ असंवैधानिक तरीके से हुआ है। उन्होंने दावा किया कि अध्यक्ष और उपाध्यक्ष ने सामान्य सभा के प्रस्तावों के बिना ही चोरी-छिपे वर्क ऑर्डर निकाल लिए और पैसा हजम कर लिया। इसकी जानकारी अपनी ही पार्टी के सदस्यों से छिपाकर रखी गई, जिसके कारण भाजपा समर्थित सदस्यों में मतभेद पैदा हुआ और अविश्वास की स्थिति निर्मित हुई।

भाजपा के पास विकास की रणनीति नहीं

प्रीति वैष्णव ने आगे कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार के पास न तो विकास के लिए पैसे हैं और न ही कोई स्पष्ट रणनीति। जनपद में सत्ता का दुरुपयोग कर अपनों को फायदा पहुँचाने का खेल चल रहा है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा नेताओं को अपनी नाकामयाबी छुपाना छो?कर कार्यकर्ताओं को सम्मान देना सीखना चाहिए। प्रीति वैष्णव ने कहा कि एक मां अपने बच्चों में भेद नहीं करती, लेकिन यहाँ अध्यक्ष-उपाध्यक्ष ने भ्रष्टाचार की जल्दबाजी में अपने ही सदस्यों से सच्चाई छिपाकर पैसे का गोलमाल किया। क्या भाजपा के बड़े नेता इस घोटाले की निष्पक्ष जांच का आदेश देंगे?

मोदी की गारंटी यानी वादा पूरा होने की गारंटी, किसानों के खातों में पहुंची 22वीं किस्त : दादूराम

असम से प्रधानमंत्री ने जारी की राशि, छत्तीसगढ़ के 24.71 लाख अन्नदाताओं को मिला सीधा लाभ

राजनांदगांव (दावा)। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष दादूराम सोनकर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पीएम किसान सम्मान निधि की 22वीं किस्त जारी किए जाने पर हर्ष व्यक्त किया है। उन्होंने इसे अन्नदाताओं की बड़ी जीत बताते हुए कहा कि केंद्र की मोदी सरकार किसानों की आर्थिक समृद्धि के लिए पूरी तरह संकल्पित है। भाजपा किसान मोर्चा के जिला मीडिया प्रभारी सतीश यादव द्वारा जारी विज्ञप्ति में श्री सोनकर ने बताया कि प्रधानमंत्री ने असम के गुवाहाटी से एक क्लिक के माध्यम से देश के 9 करोड़ से अधिक किसानों के खातों में 18,000 करोड़ रुपये की राशि सीधे ट्रांसफर की है। श्री सोनकर ने कहा कि इस योजना से छत्तीसगढ़ के 24 लाख 71 हजार से अधिक किसान लाभान्वित हुए हैं। उन्होंने डबल इंजन सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि राज्य की विष्णुदेव साय सरकार और केंद्र की मोदी सरकार मिलकर छत्तीसगढ़ के किसानों को समृद्ध बना रही है। बजट में कृषक उन्नति योजना के क्रियान्वयन के बाद अब सम्मान निधि की यह किस्त खेती-किसानी के कामों में मील का पत्थर साबित होगी।

बिचौलिया मुक्त व्यवस्था का प्रमाण

सोनकर ने आगे कहा कि मोदी की गारंटी का अर्थ ही हर वादे के पूरा होने की गारंटी है। सीधे बैंक खातों में पैसा पहुंचना इस बात का प्रमाण है कि सरकार और किसान के बीच अब कोई बिचौलिया नहीं है। यह राशि ऐसे समय पर आई है जब किसानों को खाद-बीज और खेती से जुड़े अन्य निवेशों के लिए नगद राशि की आवश्यकता होती है। इस घोषणा के बाद राजनांदगांव जिले सहित पूरे प्रदेश के किसान परिवारों में खुशी की लहर दौड़ गई है।

यादव महाअधिवेशन और सम्मान समारोह की तैयारी तेज, पदाधिकारियों ने भरी हुंकार

राजनांदगांव (दावा)। क्लब चौक बंसतपुर सामुदायिक भवन में 14 फरवरी को जिला कोसरिया यादव महासभा राजनांदगांव की बैठक सम्पन्न हुई। समाज के संगठन प्रभारी भोला यादव ने बताया कि भगवान श्री कृष्ण की पूजा अर्चना कर बैठक का शुभारंभ किया गया, बैठक में राजनांदगांव जिले के सत्रह सर्किल के पदाधिकारी उपस्थित हुए। इस बैठक में आगामी यादव महाअधिवेशन यादव मेला और सम्मान समारोह के संबंध में चर्चा कि गई। साथ ही सभी सर्किलों के पदाधिकारियों से निवेदन किया गया, कि अपने-अपने सर्किलों में बैठक कर अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर यादव एकता का परिचय देवें, बैठक में कार्यक्रम के संबंध मे सभी पदाधिकारियों को जानकारी दी गई, बैंठक को जिला संरक्षकगण विश्वनाथ यादव डोंगरगढ़, महेश यादव बोरईडीह, संतोष यादव डोंगरगांव, जिला महिला अध्यक्ष शीला यादव राजनांदगांव, विशारत यादव सर्किल अध्यक्ष सिंगदई, बोधन यादव सोमनी सर्किल अध्यक्ष, सुकालू यादव सर्किल अध्यक्ष सम्बलपुर खुज्जी, प्यारेलाल यादव डुमरडीह सर्किल अध्यक्ष, हदयलाल यादव ढारा सर्किल अध्यक्ष, ललित यादव डिलापहरी सर्किल अध्यक्ष, राजू यादव भैंसरा सर्किल अध्यक्ष, मुरली यादव गुण्डरदेही सर्किल अध्यक्ष, सूरज यादव अध्यक्ष नगर राजनांदगांव, सुश्री मधु यादव नगर अध्यक्ष महिला राजनांदगांव इन सभी ने अपने उद्बोधन में अधिक से अधिक संख्या में यादव भाईयों-बहनों को उपस्थिति के लिए निवेदन किया। जिसमें बैठक का मंच संचालन राजीव यादव ने किया। साथ ही इस बैठक में समाज के प्रमुख लोग उपस्थित थे। दिलीप यादव, शिवलाल यादव, भूपेन्द्र यादव, मनोज यादव, भगवानदास यादव, धनवार यादव, तुलाराम यादव, देवेश यादव, मानसिंग, बलीराम यादव, अर्जुन यादव, राजेश यादव, पुनाराम यादव, दुष्यंत यादव, मिलन यादव, आनंद यादव, महिला मंडल से निर्मला यादव, सुशीला यादव, पुष्पा यादव, केशर यादव, गीता यादव, शोभा यादव, संतोषी यादव, अंजू यादव सहित भारी संख्या में यादव समाज के लोग उपस्थित थे।

प्रदेश स्तर पर डोंगरगढ़ की महिलाओं का बजा डंका, धम्म सेवा और नारी शक्ति सम्मान से हुई विभूषित

डोंगरगढ़ (दावा)। महिला सशक्तिकरण संघ द्वारा आयोजित प्रदेश स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह में डोंगरगढ़ की महिलाओं ने अपनी प्रतिभा और सेवा का लोहा मनवाया। राजनांदगांव के डॉ. अंबेडकर सांस्कृतिक भवन में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली महिलाओं और खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। समारोह की मुख्य अतिथि महिला सशक्तिकरण संघ भारत की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रज्ञा बौद्ध रहीं। उन्होंने अपने संबोधन में महिलाओं के सर्वांगीण विकास और समाज की सफलता में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। वहीं, प्रदेश अध्यक्ष पदमा मेश्राम ने संघ के गठन से लेकर अब तक के सफर और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के प्रयासों की जानकारी दी। विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभाने वाली डोंगरगढ़ की महिलाओं को धम्म सेवा अवॉर्ड एवं नारी सशक्तिकरण अवॉर्ड से नवाजा गया। सम्मानित होने वाली महिलाओं में प्रमुख रूप से जाई सेंडे, नलिनी मेश्राम, ज्योति मेश्राम, मनीषा मेश्राम, ममता भोयर, किरण मेश्राम, राधिका जघेल, माधुरी मेश्राम, सुनीता सिंग, अनुपमा लाडगे, अरुणा गजभिये और संगीता रंगारी शामिल हैं।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आकाश महिला एवं विद्यार्थी कल्याण संस्थान द्वारा प्रेरक कार्यक्रम आयोजित

राजनांदगांव (दावा)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आकाश महिला एवं विद्यार्थी कल्याण संस्थान द्वारा एक प्रेरणादायी एवं गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन महिला भवन नगर पंचायत लाल बहादुर नगर मे किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के तेल चित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया गया, जिसके साथ ही उपस्थित अतिथियों एवं प्रतिभागियों ने नारी शक्ति के सम्मान एवं सशक्तिकरण का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत राजनांदगांव की उपाध्यक्ष श्रीमती किरण साहू तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पंचायत राजनांदगांव की सभापति श्रीमती अनीता मंडावी उपस्थित रहीं।

मुख्य अतिथि श्रीमती किरण साहू ने अपने संबोधन में कहा कि, बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए माता-पिता को उन्हें अपने सान्निध्य में रखते हुए उनका मार्गदर्शन करना चाहिए। साथ ही बच्चों को पारिवारिक कार्यों में सहभागी बनाना आवश्यक है, जिससे उन्हें परिवार की जिम्मेदारियों, पारिवारिक संबंधों और जीवन मूल्यों की बेहतर समझ विकसित हो सके। उन्होंने कहा कि, ऐसे संस्कार ही भविष्य में एक सशक्त और जिम्मेदार समाज का निर्माण करते हैं।

विशिष्ट अतिथि श्रीमती अनीता मंडावी ने अपने उद्बोधन में कहा कि, प्रत्येक व्यक्ति को अपने कर्म के प्रति समर्पित रहकर निरंतर आगे बढ़ने का प्रयास करना चाहिए। यदि हम लक्ष्य निर्धारित कर लगन और परिश्रम के साथ कार्य करें तो आने वाले पांच वर्षों में अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाकर समाज में एक नई पहचान बना सकते हैं। कार्यक्रम में समाज की अनेक महिलाओं एवं नागरिकों की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही। इस अवसर पर मुख्य रूप से श्रीमती अन्नपूर्णा साहू, श्रीमती ईमन साहू, श्रीमती प्रीति ताम्रकार, सुनीता साहू, आस्था सिन्हा तथा संध्या मस्करे मैडम सहित अन्य गणमान्य नागरिक एवं महिलाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं आयोजन आकाश महिला एवं विद्यार्थी कल्याण संस्थान की अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा सिंह के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम के अंत में श्रीमती पुष्पा सिंह द्वारा सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को जागरूक करना, समाज में उनकी भागीदारी को प्रोत्साहित करना तथा नारी शक्ति के महत्व को रेखांकित करना रहा।

विशु अजमानी के नेतृत्व में युवाओं ने किया भिलाई विधायक देवेंद्र यादव का भव्य स्वागत

राजनांदगांव (दावा)। भिलाई विधायक देवेंद्र यादव के आगमन पर युवाओं द्वारा गर्मजोशी के साथ भव्य स्वागत किया गया। विशु अजमानी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में युवा साथी टोल प्लाजा पर एकत्र हुए, जहां फूल-मालाओं और जयकारों के साथ विधायक का जोरदार अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिला। उपस्थित साथियों ने विधायक का स्वागत करते हुए उनके जनसेवा कार्यों की सराहना की और उनके प्रति आभार व्यक्त किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान माहौल उत्साह और जोश से भरा हुआ दिखाई दिया। स्वागत कार्यक्रम के पश्चात विधायक युवाओं के साथ काफिले में स्टेशन पारा पहुंचे। जहां वे एक विवाह समारोह में शामिल हुए और नवदंपत्ति को आशीर्वाद दिया। इस दौरान उनके साथ बड़ी संख्या में युवा साथी मौजूद रहे। कार्यक्रम में उपस्थित युवाओं ने कहा कि क्षेत्र के लोकप्रिय जनप्रतिनिधि के रूप में विधायक देवेंद्र यादव हमेशा युवाओं और आम जनता के बीच सक्रिय रहते हैं। जिसके कारण उनके प्रति लोगों में विशेष सम्मान और विश्वास देखने को मिलता है।

ज्योतिष चमत्कार (16 मार्च 2026)

कल्याण				
सोम	2	3	4	5
	20	36	40	56
मंगल	3	4	5	6
	37	48	57	60
बुध	4	5	6	7
	47	58	69	76
गुरू	5	6	7	8
	59	68	78	80
शुक्र	6	7	8	9
	67	79	89	96
शनि	7	8	9	0
	70	87	97	09

राजधानी नाईट				
सोम	7	8	9	0
	71	85	91	04
मंगल	8	9	0	1
	84	92	03	12
बुध	9	0	1	2
	93	02	13	25
गुरू	0	1	2	3
	01	14	24	31
शुक्र	1	2	3	4
	15	23	32	45

अंकों का बादशाह				0
सप्ताह का वरदान				9
सप्ताह में अचूक	1	6	7	8
स्पेशल	15	64	73	82

अंकों का बादशाह				1
सप्ताह का वरदान				2
सप्ताह में अचूक	3	4	5	6
स्पेशल	30	49	58	67

सप्ताह में देखें

1	12	13	14	15
2	21	23	24	25
3	31	32	34	35
4	41	42	43	45
5	51	52	53	54
6	62	63	64	65
7	71	73	74	75
8	81	82	84	85
9	91	92	93	95
0	01	02	03	04

सप्ताह में देखें

1	17	18	19	10
2	26	28	29	20
3	36	37	39	30
4	46	47	48	40
5	56	57	58	59
6	67	68	69	60
7	76	78	79	70
8	86	87	89	80
9	96	97	98	90
0	06	07	08	09

अंक आपके पत्ते हमारे

1	2	3	4	5	6	7	8	9	0
128	138	148	149	140	123	160	134	234	127
245	129	238	130	230	150	250	233	379	136
489	237	490	239	357	259	278	279	225	280
290	570	670	680	456	349	458	260	270	479
344	228	355	789	339	790	449	125	126	677

बीते चार सप्ताह के रिकार्ड

कल्याण						राजधानी					
94	31	55	49	18	15	46	29	38	92	65	
97	49	71	17	12	33	76	39	48	53	09	
13	94	XX	90	56	63	47	03	XX	48	65	
70	21	30	88	15	54	16	56	05	43	09	

जनवरी 2025 से मार्च 2026 तक के रूके जोड़भाव-पेनल

कल्याण 2024- 22-86
2025- 22-37-50-86-92
1-245-227-777 2-228-499-688-444-3-166-
4-400-888 5-122 -177-799-889-555
6-330-466-222 7- 999 8-567-440-666
9-144-559-333 0-118-668-000

राजधानी नाईट 2024- -88
2025- -24-49-66- 78-88-95 -99-90-01
1-146-290-119-777, 2-660-444,3-166 -111,
4-112-888, 5-366-447-555 6-556-222,
7-700-999, 8-189-288-666, 9-289-117-577
- 333, 0-550-668-000

चेतावनी :- इस पत्र में प्रकाशित सर्वत्र शुभ राशियां ज्योतिष एवं ग्रह नक्षत्र के आधार पर धारणा मात्र है। इसका सट्टे आदि से कोई संबंध नहीं है, दुरूपयोग न करें। दुरूपयोग करने पर प्रकाशक की कोई जवाबदारी नहीं होगी। -सम्पादक

प्रथम पृष्ठ का शेष....

बिना मान्यता वाले स्कूलों के प्रवेश विज्ञापन पर छत्तीसगढ़...

अदालत के वैध आदेशों की अवमानना है। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 24 मार्च तय की है। उस दिन विभाग को की गई कार्रवाई की स्थिति और अपना जवाब अदालत के सामने पेश करना होगा। एडमिशन विज्ञापन में जिन स्कूलों का उल्लेख किया गया है, उनमें तुलसी कृष्णा किड्स एकेडमी, मोवा के अलावा कृष्णा किड्स एकेडमी के शंकर नगर, न्यू राजेंद्र नगर, सुंदर नगर और शैलेंद्र नगर स्थित चार ब्रांच शामिल हैं। कोर्ट ने इस मामले में कृष्णा पब्लिक स्कूल, तुलसी (रायपुर) को पक्षकार बनाते हुए नोटिस जारी करने का आदेश दिया है।

मोहला-मानपुर में पुलिस-नक्सली मुठभेड़ : घेराबंदी देख...

इलाके में सर्चिंग अभियान चलाया, तो घटनास्थल से भारी मात्रा में माओवादी सामग्री बरामद की गई। बरामद सामग्रियों में 1 इंसास रायफल, नक्सली साहित्य एवं दैनिक उपयोगी सामग्री शामिल है। मोहला-मानपुर पुलिस अधीक्षक वायपी सिंह ने मुठभेड़ की पुष्टि करते हुए बताया कि क्षेत्र में अभी भी सर्चिंग अभियान तेज कर दिया गया है। भागे हुए नक्सलियों की तलाश में आसपास के जंगलों और संभावित ठिकानों पर सघन तलाशी ली जा रही है। सीमावर्ती इलाकों में अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है ताकि माओवादी दोबारा संगठित न हो सकें।

छत्तीसगढ़ के कॉलजों में होगी 700 भर्तियां : प्राध्यापक के 625,...

विरुद्ध अतिथि प्राध्यापकों की नियुक्ति की व्यवस्था की गई है। यह व्यवस्था सहायक प्राध्यापक एवं प्राध्यापक पदों के साथ-साथ ग्रंथपाल तथा क्रीड़ा अधिकारी के पदों पर भी लागू है, ताकि विद्यार्थियों को किसी प्रकार की शैक्षणिक बाधा का सामना न करना पड़े। विभाग द्वारा नियुक्त अधिकांश अतिथि शिक्षक पीएच.डी. उपाधिधारी हैं तथा नेट एवं सेट जैसी राष्ट्रीय पात्रता परीक्षाओं से योग्य हैं। ये शिक्षक वर्तमान समय की आवश्यकताओं के अनुरूप विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षण प्रदान कर रहे हैं तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों के अनुरूप शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को प्रभावी बनाने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में राजस्व सेवाओं में डिजिटल क्रांति, 4808 करोड़....

कृषि मजदूर कल्याण योजना के तहत भूमिहीन मजदूरों और पारंपरिक ग्रामीण व्यवसाय से जुड़े परिवारों को 10.000 की आर्थिक सहायता दी जा रही है। 2025-26 में 4.96 लाख हितग्राहियों के लिए 496 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी गई थी और 2026-27 में इसके लिए 605 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। राज्य सरकार कृषि क्षेत्र की निगरानी के लिए ड्रोन, सैटेलाइट इमेजरी और रिमोट सेंसिंग तकनीक का उपयोग करेगी, जिसके लिए 25 करोड़ रुपए का प्रावधान रखा गया है। इसके अलावा, स्वामित्व योजना के तहत ग्रामीणों को भूमि अधिकार दिए जा रहे हैं। अब तक 1.60 लाख लोगों को अधिकार पत्र मिल चुके हैं और लक्ष्य 10.5 लाख है।

स्व-सहायता समूह से बदली जिंदगी : डेयरी और खेती से 'लखपति दीदी' बनीं माधुरी जंघेल

खैरागढ (दावा)। ग्राम पंचायत संडी, विकासखंड छुईखदान की निवासी माधुरी जंघेल आज स्व-सहायता समूह की बदौलत एक सफल महिला उद्यमी के रूप में पहचान बना चुकी हैं। पतंजली महिला स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद उन्होंने डेयरी, कृषि और पशु आहार व्यवसाय के माध्यम से अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत किया है और आज उनकी सालाना आय लगभग 5.50 लाख रुपये तक पहुंच गई है। माधुरी जंघेल वर्ष 2017 में पतंजली महिला स्व-सहायता समूह से जुड़ीं। समूह से जुड़ने से पहले वह केवल पारंपरिक कृषि कार्य करती थी और सीमित आय के कारण परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत नहीं थी। बच्चों की शिक्षा और परिवार की जरूरतों को पूरा करना भी कठिन था। समूह से जुड़ने के बाद उन्हें बैंक लिंकेज और विभिन्न योजनाओं के माध्यम से कुल 9.50 लाख रुपये का ऋण प्राप्त हुआ। जिससे उन्होंने अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने की शुरुआत की। समूह से प्रेरणा लेकर माधुरी जंघेल ने सबसे पहले 50 हजार रुपये की सहायता से पशुपालन विभाग के सहयोग से गाय पालन शुरू किया। शुरुआत में एक गाय से डेयरी व्यवसाय प्रारंभ किया। जिसे धीरे-धीरे बढ़ाकर आज पांच गायों तक पहुंचा दिया है। वर्तमान में उनके यहां से प्रतिदिन लगभग 40 लीटर दूध का उत्पादन होता है। वह दूध को देवभोग द्वारा संचालित मां बम्लेश्वरी महिला दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति, संडी में 35 रुपये प्रति लीटर की दर से बेचती हैं। समिति से बोनस और पशु आहार के रूप में लगभग 10 रुपये प्रति लीटर अतिरिक्त लाभ भी मिलता है।

इस प्रकार दूध व्यवसाय से उन्हें औसतन प्रतिमाह लगभग 12 हजार रुपये और सालाना करीब 1.50 लाख रुपये का शुद्ध लाभ प्राप्त हो रहा है। डेयरी के साथ-साथ माधुरी जंघेल ने पशु आहार का व्यवसाय भी शुरू किया है। वह राजनांदगांव से थोक दर पर पशु आहार खरीदकर गांव के पशुपालकों को उपलब्ध कराती हैं। जिससे उन्हें सालाना लगभग 50 हजार रुपये की अतिरिक्त आय होती है। इसके अलावा उनके पास 4.5 एकड़ कृषि भूमि है। जिस पर वह हर साल दो फसल लेती हैं और इससे लगभग 3.50 लाख रुपये की आय अर्जित करती हैं। डेयरी, कृषि और पशु आहार व्यवसाय से उन्हें कुल मिलाकर करीब 5.50 लाख रुपये वार्षिक आय हो रही है। आर्थिक स्थिति मजबूत होने के बाद माधुरी जंघेल अब अपने बच्चों की बेहतर शिक्षा और पोषण पर विशेष ध्यान दे रही हैं।। उन्होंने अपने बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए पतंजली संस्थान हरिद्वार भेजा है, जहां उनकी पढ़ाई पर प्रतिवर्ष लगभग 3 लाख रुपये खर्च कर रही हैं। इससे उनके परिवार की सामाजिक और आर्थिक स्थिति में भी तेजी से सुधार हुआ है। भविष्य की योजना के बारे में माधुरी जंघेल बताती हैं कि वह आगे और अधिक गाय खरीदकर बड़े स्तर पर डेयरी व्यवसाय को विकसित करना चाहती हैं। इसके साथ ही प्लाई ऐश ईंट निर्माण का कार्य भी शुरू करने की योजना बना रही हैं। जिससे आय में और वृद्धि हो सके तथा गांव की अन्य महिलाओं को भी रोजगार के अवसर मिल सकें। आज माधुरी जंघेल की सफलता गांव की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बन चुकी है।

बच्चे में इस डर को दूर करने की कोशिश कर

आम तौर पर देखा जाये तो नवजात शिशु किसी वजह से डर जाते हैं या घबरा कर उठ जाते हैं। हालाँकि, यह समस्या न केवल नवजात में बल्कि एक साल या उससे अधिक उम्र के बच्चों में भी देखने को मिलती है। क्योंकि, कुछ चीज़ें ऐसी हैं जिससे कि उन्हें डर लगता है। ऐसे में अभिभावकों को उन्हें डर से बचाने यह करना होगा।

नवजात शिशु कई बार अचानक से उठ जाते हैं। इतना ही नहीं वह रोना भी शुरू कर देते हैं। वहीं जो बच्चे थोड़े बड़े होते हैं उनमें भी यह समस्या देखने को मिलती है, क्योंकि वह अपनी कल्पना को नींद के जरिए ही देखते हैं, जिसमें कुछ अच्छे सपने भी होते हैं और कुछ बुरे सपने भी होते हैं।

बच्चे को सबसे ज्यादा डर अंधेरे से लगता है। कुछ अभिभावक ऐसे भी होते हैं जो अपने बच्चे को शांत करवाने के लिए या अपनी बातों को मनवाने के लिए अँधेरे का सहारा लेते हैं, जो कि बहुत गलत है। क्योंकि, इससे बच्चे काफी डर जाते हैं, जिसका असर बच्चे पर बहुत बुरा होता है। ऐसे में, अपने बच्चे में इस डर को दूर करने की कोशिश करें।

जब बारिस का मौसम होता है, और खासकर जब बिजली कड़कने की आवाज आती है तो बच्चे डर कर उठ जाते हैं। कुछ बच्चे तो ऐसे होते हैं कि इसके आवाज को सुनकर रोने लगते हैं। ऐसे में, आप अपने बच्चे को इसके बारे में बताएं कि इसमें घबराने की कोई बात नहीं है, और उन्हें शांत रखने की कोशिश करें।

हालाँकि, यह सच है कि बच्चे उन लोगों के पास ज्यादा खुशी से रहते हैं, जिन्हें वह जानते हैं पर जैसे ही आप उन्हें अपने किसी दोस्त या रिश्तेदार से मिलाते हैं तो वह बहुत असहज महसूस करते हैं, और कभी-कभी उन्हें देख कर रोने लगते हैं। ऐसे में, आप अपने बच्चे को थोड़ा जानने का समय दें ताकि वह उनके साथ घुल-मिल सके।

बच्चे सबसे ज्यादा सुरक्षित अपने अभिभावकों के साथ महसूस करते हैं क्योंकि, वह बचपन से ही उनके साथ रहते हैं, इसलिए जब भी आप अपने बच्चे से थोड़ी देर के लिए दूर होते हैं तो वह रोने लगते हैं। हालाँकि, यह गलत बात है, क्योंकि बच्चे को सिर्फ अपनी आदत न लगने दें, इसके लिए आप उन्हें अपने दादा-दादी या फिर घर के अन्य लोगों के साथ छोड़ें। ताकि वह आपके अलावा, घर के अन्य लोगों के साथ घुल-मिल सकें।

बच्चों में बढ़ते जा रहे हैं मधुमेह के मामले

फलों और हरी सब्जियों की कमी से शिकार हो रहे बच्चे

बच्चों में मधुमेह के मामले बढ़ते जा रहे हैं। जानकारों के अनुसार फलों और हरी सब्जियों की कमी से मधुमेह (डायबिटीज) का रोग बढ़ा है। 10 या 11 साल की की उम्र में ज्यादातर बच्चें अधिक वजन वाले या मोटापे का शिकार हो रहे है जिससे उनमें डायबिटीज जैसी बीमारी के लक्षण देखने को मिल रहे हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि हर दिन दो तिहाई से अधिक लोग फलों और हरी सब्जियों का खाने में कम इस्तेमाल करते है, जिससे उनमें डायबिटीज टाइप 2 जैसी गंभीर बिमारी होने के खतरा हो सकता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि व्यस्क हर दिन फलों और सब्जियों के तीन या उससे कम हिस्से का सेवन करते हैं जिससे करीब 12 मिलियन लोग, डायबिटीज टाइप 2 के शिकार हो सकते हैं।

एक सर्वे में पाया गया कि 66 प्रतिशत व्यस्क हर दिन केवल तीन या उससे कम मात्रा में फल और सब्जियां खाते हैं।

जिनमें से 90 प्रतिशत लोगों को टाइप 2 डायबिटीज हैं। चैरिटी का कहना है कि अगर लोग अपने रहन सहन में बदलाव लाए तो डायबिटीज के पांच मामलों में से तीन से बचा जा सकता है।

हर कोई जानता है कि उन्हें पांच दिन फल और सब्जियां खाना चाहिए लेकिन फिर भी यह सर्वेक्षण बताता है कि यह संदेश लोगों तक ठीक तरह से नहीं पहुंच रहा है।

यह जानना खतरनाक है कि अधिकांश लोग अभी भी पर्याप्त फलों और सब्जियों के सेवन से काफी दूर हैं। इतना ही नहीं, कई लोगों को इस बारे में भी नहीं पता हैं कि उन्हें कितनी मात्रा में फल और सब्जियां खाना चाहिए। डायबिटीज वाले लोगों के लिए हेल्दी लाइफस्टाइल के साथ हेल्दी खाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है जिससे उनको इस गंभीर बीमारी को रोकने में आसानी होगी।

लोगों को बंद डिब्बों में मिलने वाले खाद्य पदार्थों में कितनी मात्रा में चीनी पाई जाती है इसकी जानकारी नहीं है। दो तिहाई लोगों को यह नहीं पता कि एक टिन बेक्ड बीन्स में चीनी के पांच चम्मच तक शामिल हो सकते हैं।

लगभग दस में से छह लोगों ने कहा कि वे ज्यादा सब्जियां खाना चाहते है, लेकिन 23 प्रतिशत का कहना है कि वे काफी महंगी होती हैजबकि 10 लोगों में से लगभग एक का कहना हैं कि इसे बनाने में बहुत समय लगता है।

खाना खाते समय मोबाइल - टीवी देखने के नुकसान

आजकल माता-पिता के पास इतना समय नहीं है कि वो बच्चों को मनाकर खाना खिलाने में समय दे पाएं। ऐसे में अधिकतर अभिभावक समय बचाने के लिए इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स की मदद लेते हैं क्योंकि बच्चे मोबाइल या फोन देखते हुए फटाफट खाना खा लेते हैं. यह उनके मन बहलाने की जरूरत बन जाता है। माता-पिता भी इस बात से खुश हो जाते हैं कि चलो फोन या टीवी देखते ही सही, बच्चा खाना तो खा ले रहा है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपका यह शॉर्टकट बच्चे की सेहत के लिए कितना खतरनाक हो सकता है।

एक रिपोर्ट के अनुसार टीवी या मोबाइल देखते हुए जो बच्चे खाना खाते हैं, वो आगे चलकर भी खाने को लेकर नखरे करते रहते हैं। इन बच्चों में छोटी-छोटी बात पर गुस्सा करते भी देखा गया है। टीवी-मोबाइल देखते हुए खाने वाले 10 साल तक के बच्चों में मोटापे का खतरा भी कई गुना तक बढ़ जाता है और वे ओबेसिटी का शिकार हो जाते हैं, जो कई बीमारियों को जन्म दे सकता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने हाल ही में एक रिपोर्ट जारी कर बच्चों को स्क्रीन से दूर रखने की चेतावनी दी थी। इस रिपोर्ट में 5 साल से कम उम्र के बच्चों का स्क्रीन टाइम निर्धारित किया गया है. इन बच्चों का ज्यादा स्क्रीन टाइम शारीरिक और मानसिक सेहत को सीधे तौर पर प्रभावित करता है। इस रिपोर्ट मेंबच्चों को मोबाइल, टीवी या अन्य इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स से दूर रहने की हिदायत दी गयी है।

खाना खाते समय टीवी देखने के नुकसान

1 खाते समय टीवी देखने से मेटाबॉलिज्म स्लो हो जाता है, जिससे शरीर में फैट जमा होने लगता है।
2 टीवी देखते हुए खाना खाने से सारा ध्यान टीवी या फोन पर होता है, इस वजह से बच्चे ओवरईटिंग करते हैं।
3 ज्यादातर बच्चे जब टीवी-फोन देखते हैं तो उस समय जंक फ़ूड ही खाना पसंद करते है।
4 टीवी-मोबाइल देखते समय डिनर या लंच करने से बच्चे काफी जल्दी से मोटापे के शिकार हो जाते हैं।
5 टीवी या फोन दिखाकर बच्चे को खाना खिलाने से उनके पोषण की कमी हो सकती है। वे जरूरी पोषक तत्व पा नहीं सकते हैं।
6 टीवी या फोन देखकर खाना खाने वाले बच्चे समाजिक तौर पर कमजोर हो सकते हैं. उनमें स्किल्स में कमी आ सकती है।
7 टीवी-मोबाइल देखते हुए बच्चे बिना बोले खाना खाते हैं, जो उनके बोलने की क्षमता यानी कम्युनिकेशन प्रभावित करता है.
8 आंखों से पानी आने, रोशनी कम होने या ड्राईनेस की समस्या
9 मोबाइल देखने के चक्कर में बच्चों को खाने की पहचान नहीं हो पाती, जो भी सामने आया उसके बारे में बिना जाने ही खा लेते हैं।
10. मोबाइल-टीवी में खोने की वजह से चीजों को याद नहीं रख पाते हैं।

बच्चों के टिफिन में न दे ये चीजें

अगर आप भी अपने बच्चों को लंच में रोज आलू का पराठा या सैंडविच-पास्ता देकर उसके पोषण का ध्यान रख रही हैं तो आप गलत हैं। बच्चों के विकास के लिए स्कूल लंच में इन चीजों को न दें। इससे बच्चे के शारीरिक और मानसिक विकास पर विपरीत प्रभाव पड़ने लगता है।

आलू पराठा- सुबह नाश्ते में अधिकतर परिवारों में आलू का पराठा बनाकर खाया जाता है। आलू का पराठा पेट तो भर देता है लेकिन कार्बोहाइड्रेट और वसा से भरपूर होता है। जिससे बच्चों में फाइबर और प्रोटीन की कमी पैदा हो सकती है। इसके अलावा यह पचाने में भी भारी होता है, जिससे बच्चे सुस्ती महसूस कर सकते हैं।

सैंडविच - सैंडविच बनाने के लिए जरूरी चीजों में सफेद ब्रेड, मक्खन, आलू और चीज की जरूरत पड़ती है। जो पोषण की कमी पैदा कर सकते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि सफेद ब्रेड, जिसे मैदा से बनाया जाता है, में फाइबर की कमी होती है। जो बच्चों के बार-बार भूख लगने और मोटापे का कारण बन सकता है।

मीठे स्नैक्स - चॉकलेट, कैंडी, कुकीज, केक, मिठाइयां जैसी चीजें स्कूल लंच में पैक करके ना दें। इस तरह की चीजों में चीनी की मात्रा अधिक होने से दांतों की सड़न और एनर्जी लेवल लो हो सकता है। जिससे बच्चे को जल्दी थकान महसूस हो सकती है।

मसालेदार खाना - बच्चे के लंच में स्पाइसी फूड जैसे मसालेदार चटनी, तीखी सब्जियां, मिर्ची वाले स्नैक्स भी पैक ना करें। जरूरत से ज्यादा मसाले बच्चों के पेट को नुकसान पहुंचाकर उनके लिए स्कूल में असुविधा पैदा कर सकते हैं।

मैगी - मैगी या इंस्टेंट नूडल्स के लिए प्यार, बच्चों से लेकर बड़ों में भी देखा जा सकता है। लेकिन सुबह की पहली मील में मैगी का सेवन, सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है। इसमें मौजूद प्रिजर्वेटिव, सोडियम और मैदा बच्चों के पाचन तंत्र को नुकसान पहुंचा सकता है।

परिवार की धड़कन : रिश्तों की जड़ें मजबूत करते हैं दादा-दादी

आज के समय में जब जीवन बहुत तेज हो गया है और हर कोई अपने काम में व्यस्त है, ऐसे में परिवार के बुजुर्ग यानी दादा-दादी और नाना-नानी केवल रिश्तेदार नहीं होते, बल्कि वे परिवार की असली नींव होते हैं। उनका अनुभव, उनका स्नेह और उनका साथ बच्चों के जीवन को गहराई से प्रभावित करता है। वे परिवार में भावनात्मक मजबूती, परंपराओं की निरंतरता और जीवन की समझ को आगे बढ़ाने का काम करते हैं।

भावनात्मक सुरक्षा की मजबूत नींव

दादा-दादी और नाना-नानी बच्चों को ऐसा प्यार देते हैं जिसमें कोई शर्त नहीं होती। यह निस्वार्थ प्रेम बच्चों के मन में सुरक्षा और अपनापन पैदा करता है। जब दादा-दादी अपने बचपन या संघर्षों की बातें साझा करते हैं, तो बच्चे जीवन की असली कीमत समझते हैं। इससे उनमें मुश्किल हालात का सामना करने की क्षमता विकसित होती है, जिसे हम मानसिक दृढ़ता या 'रेजिलिएंस' कह सकते हैं।

संस्कार और परंपराओं का संचार- हर परिवार की अपनी परंपराएं और संस्कार होते हैं। इन्हें आगे बढ़ाने में बुजुर्गों की अहम भूमिका होती है। त्योहारों की कहानियां, पारिवारिक रीति-रिवाज, लोकगीत और पारंपरिक व्यंजन ये सब बच्चों को उनकी जड़ों से जोड़ते हैं। बुजुर्ग बच्चों को यह सिखाते हैं कि परिवार और समाज में रिश्तों की क्या अहमियत है। इससे बच्चों में सम्मान, करुणा और सहानुभूति जैसे गुण विकसित होते हैं।

संवाद और समझ का सुरक्षित स्थान - अक्सर बच्चे अपने माता-पिता से कुछ बातें कहने में झिझकते हैं, लेकिन वे अपने दादा-दादी या नाना-नानी से आसानी से दिल की बात साझा कर लेते हैं। बुजुर्ग ध्यान से सुनते हैं, बिना डांटे या दबाव डाले समझाने की कोशिश करते हैं। उनका यह व्यवहार बच्चों में आत्म-सम्मान और भरोसा बढ़ाता है। बच्चे यह महसूस करते हैं कि उनकी भावनाएँ महत्वपूर्ण हैं और उन्हें समझा जा रहा है।

बदलती दुनिया में स्थिरता का सहारा- आज की दुनिया में प्रतिस्पर्धा, पढ़ाई का दबाव और तकनीक का बढ़ता प्रभाव बच्चों पर मानसिक दबाव डालता है। ऐसे समय में दादा-दादी और नाना-नानी एक शांत और सुरक्षित माहौल प्रदान करते हैं। उनका स्नेह और मार्गदर्शन बच्चों को तनाव से बाहर निकलने में मदद करता है। वे बच्चों को यह सिखाते हैं कि असफलता भी जीवन का हिस्सा है और हर कठिनाई के बाद एक नई शुरुआत होती है। परिवार में बुजुर्ग केवल उम्र में बड़े लोग नहीं होते, बल्कि वे भावनात्मक मजबूती, संस्कार और अनुभव के स्तंभ होते हैं। उनकी मौजूदगी से बच्चों को आत्मविश्वास, प्यार और जीवन की सही दिशा मिलती है।

प्रेस क्लब चुनाव : सचिन अग्रहरि की हैट्रिक, अनिल त्रिपाठी सचिव और बसंत शर्मा बने कोषाध्यक्ष

राजनांदगांव (दावा)। रविवार 15 मार्च को संपन्न हुए बहुप्रतीक्षित प्रेस क्लब के चुनाव में अंततः निवृतमान अध्यक्ष सचिन अग्रहरि ने बाजी मारी और अपने प्रतिद्वंद्वी कमलेश स्वर्णकार को 66 मतों से पराजित कर प्रेस क्लब में अपना कब्जा बरकरार रखा। इसी तरह सचिव पद मे निवृतमान सचिव अनिल त्रिपाठी ने तथा कोषाध्यक्ष पद के लिए चुनाव मैदान में उतरे बसंत शर्मा ने जीत हासिल की।

पत्रकारों ने आतिशबाजी और गुलाल के साथ मनाया जीत का जश्न

बता दें कि रविवार 15 मार्च को सुबह 10 बजे से आयोजित प्रेस क्लब के चुनाव में 148 पत्रकारों ने अपने मतों का प्रयोग किया। इसमें अध्यक्ष पद के लिए चुनाव मैदान में उतरे सचिन अग्रहरि को 107 मत मिले वहीं उनके प्रतिद्वंद्वी कमलेश स्वर्णकार को कुल 41 मत प्राप्त हुए। इससे जीत का अंतर 66 मतों का रहा जिससे जीत की पगड़ी तीन-तीन बार के अध्यक्ष बने सचिन अग्रहरि के सिर पर बंधी। पत्रकारों ने सचिन अग्रहरि की जीत पर खूब उत्साह, उल्लास का प्रदर्शन करते हुए जमकर फटाके फोड़े और मिठाइयां बांटी। इस दौरान बाजे-गाजे की धून में झूमते-नाचते हुए पत्रकारों ने गुलाल की बौछार करते हुए अपने नव निर्वाचित अध्यक्ष सचिव भाई को हार फूलों से लाद दिया। इस दौरान एक कवि हृदय पत्रकार ने तीनों विजेताओं को फिट हुए, हिट हुए और रिपिट हुए कह कर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

अनिल व बसंत पुनः अपने पद पर हुए काबिज

बता दें कि प्रेस क्लब के अध्यक्ष और सचिव पद पर कांटे का मुकाबला रहा। अध्यक्ष पद के लिए सचिन व कमलेश आमने-सामने थे वहीं सचिव पद के लिए 4 प्रत्याशी जोर लगा रहे थे। लेकिन अनिल इन सब मे बाजी मार गया। निवृतमान सचिव अनिल को कुल 74 वोट मिले वहीं उनके प्रतिद्वंद्वी विक्रम बाजपेई को 50 सुरेंद्र गुप्ता को 12 मनोज राठौर व योगेश शर्मा को 6-6 वोट मिले। सबसे रोचक चुनाव कोषाध्यक्ष पद के लिए था इसके लिए बसंत शर्मा की किस्मत अच्छी कही जानी चाहिए जिसे जीत मिली। नामांकन के शुरुआत दौर में कोषाध्यक्ष पद के लिए सिर्फ वही एक कंडीडेट था। बाद में उक्त पद के लिए रवि सिंह ठाकुर व इलेक्ट्रॉनिक चैनल के वरिष्ठ पत्रकार प्रमोद शेंडे ने नामांकन भरी और अपनी जीत के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाया लेकिन समयाभाव कहे या और कुछ प्रमोद शेंडे को 31 और रवि सिंह ठाकुर को 32 वोटो से संतोष करना पड़ा। वहीं 85 मत प्राप्त कर बसंत शर्मा बाजी मार गए। बताते चलें कि प्रेस क्लब के158 पत्रकार सदस्यों में से कुल 148 पत्रकार सदस्यों ने अपने मतों का प्रयोग किया। शांति पूर्ण एवं विधि सम्मत मतदान कराने के लिए वरिष्ठ वकील उमाकांत भारद्वाज, जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष वरिष्ठ वकील मनोज चौधरी, विशेष तौर पर उपस्थित रहे वहीं उनका सहयोग देने के लिए पत्रकार वकील विमल हाजरा, खेमराज वर्मा, मनीष तिवारी के अलावा अन्य अधिवक्ताओं मे गुणेद्र साव, नितिन साहू, सुनीता वर्मा नंदिनी साहू उपस्थित थे।

शांति पूर्ण माहौल में संपन्न हुआ प्रेस क्लब का चुनाव

प्रेस क्लब चुनाव के दौरान किसी प्रकार अप्रिय स्थिति न बननी पाए इसलिए पुलिस की कड़ी व्यवस्था रही। बसंतपुर थाना प्रभारी एमन साहू व सिटी कोतवाली थाने में नया पदभार ग्रहण किए टीआई मिलन सिंह दल-बल के साथ मतदान स्थल में अंतिम समय तक उपस्थित रहे। मतदान प्रक्रिया दोपहर 2 बजे तक चली। इसके बाद कड़ी चौकसी के बीच मतगणना का कार्य शुरू हुआ। जिसमे 30-30 के बंडलों में तीन बार कर के मतगणना का कार्य पूरा किया गया और निर्वाचन अधिकारियों द्वारा चुनाव परिणाम क्रमशः सचिन, अनिल व बसंत के पक्ष में घोषित कर दिया गया। इसके बाद प्रेस क्लब के विजेताओं को बधाई एवं शुभकामनाएं देने का सिलसिला देर शाम रात तक जारी रहा। प्रेस क्लब के नव-निर्वाचित अध्यक्ष बने सचिन अग्रहरि ने अपनी जीत का श्रेय प्रेस क्लब के सभी पत्रकार साथियों को देते हुए कहा कि कड़ी मेहनत से जो 7-8 साल में जो पत्रकार भाइयों के आवास के लिए के लिए काम हुआ है। उसी का परिणाम है कि प्रेस क्लब के साथियों ने एक बार फिर से क्लब की कमान उनके हाथों सौंपी है।

क्रेडा विभाग की दोहरी नीति के खिलाफ फूटा तकनीशियनों का गुस्सा, आंदोलन की दी चेतावनी

राजनांदगांव (दावा)। छत्तीसगढ़ क्रेडा क्लस्टर जन कल्याण संघ ने विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर आरोप लगाते हुए उग्र आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है। संघ के प्रदेश अध्यक्ष पंकज टिकरिया ने कहा कि पिछले 12 वर्षों से जल, जमीन और जंगल जैसे कठिन क्षेत्रों में सौर संयंत्रों की देखभाल कर रहे क्लस्टर तकनीशियनों के साथ विभाग भेदभावपूर्ण व्यवहार कर रहा है।पंकज टिकरिया ने विभाग की दोहरी नीति को उजागर करते हुए बताया कि हाल ही में संपन्न हुए होली के त्योहार पर नियमित, संविदा और प्लेसमेंट कर्मचारियों को समय से पहले वेतन दे दिया गया। इसके विपरीत, विभाग की रीढ़ की हड्डी माने जाने वाले सेवाकर्ता इकाई (क्लस्टर तकनीशियन) को जनवरी और फरवरी माह का वेतन अब तक नहीं मिला है। दिसंबर 2025 के वेतन में भी भारी कटौती की गई है, जिससे कर्मचारियों में गहरा असंतोष व्याप्त है।

प्रदेश अध्यक्ष पंकज टिकरिया बोले- 2 साल से समय पर नहीं मिल रहा वेतन, परिवार के सामने आर्थिक संकट

अधिकारियों पर मनमानी का आरोप

प्रदेश अध्यक्ष ने इस विकट स्थिति के लिए क्रेडा विभाग के कार्यपालन अभियंता (आर.वी.-5) कमल पुरैना को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने आरोप लगाया कि अनुबंध समाप्त होने के बाद जानबूझकर नवीनीकरण में महीनों की देरी की जाती है, जो नियमों के विरुद्ध है। समय पर वेतन मांगने पर सुकमा में 8 और दंतेवाड़ा में 1 तकनीशियन को सेवा से मुक्त कर दिया गया, जो बेहद अन्यायपूर्ण है। पिछले दो वर्षों से वेतन भुगतान की अनियमितता के कारण कर्मचारियों के लिए परिवार का भरण-पोषण करना कठिन हो गया है।

संघ ने चेतावनी दी है कि यदि विभाग ने जल्द ही बकाया वेतन का भुगतान नहीं किया, वेतन कटौती पर रोक नहीं लगाई और सेवा से हटाए गए कर्मचारियों को वापस बहाल नहीं किया, तो छत्तीसगढ़ क्रेडा क्लस्टर जन कल्याण संघ उग्र आंदोलन को विवश होगा। प्रदेश अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि किसी भी अप्रिय स्थिति या व्यवस्था प्रभावित होने की संपूर्ण जिम्मेदारी विभागीय अधिकारियों की होगी।

चोड़राधाम में 19 को होगी ज्योति कलश की स्थापना, बदहाल सड़क से श्रद्धालु परेशान

अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों से कई बार गुहार के बाद भी नहीं बनी पक्की सड़क, सेवा समिति में रोष

गंडई (दावा)। नर्मदा-सालहेवारा मार्ग पर स्थित सुप्रसिद्ध धार्मिक एवं पर्यटन स्थल डोंगेश्वर महादेव मंदिर चोड़राधाम में चैत्र नवरात्रि पर्व की तैयारियां शुरू हो गई हैं। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी 19 मार्च गुरुवार को मंदिर परिसर में श्रद्धा और भक्ति के साथ मनोकामना ज्योति कलश की स्थापना की जाएगी। हालांकि मंदिर तक पहुंचने वाली बदहाल सड़क श्रद्धालुओं के उत्साह में बाधा बनी हुई है। चोड़राधाम क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक केंद्र है, जो मुख्य सड़क मार्ग से मात्र एक किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। इसके बावजूद मुख्य मार्ग से मंदिर तक पहुँचने के लिए केवल कच्ची सड़क ही उपलब्ध है।

चोडराधाम सेवा समिति के सचिव गणेशराम वर्मा ने बताया कि इस एक किलोमीटर के रास्ते पर अनगिनत गड्ढे हैं। बरसात के दिनों में तो यह मार्ग कीचड़ से भर जाता है। जिससे पैदल चलना भी दूभर हो जाता है। नवरात्रि जैसे बड़े आयोजनों में यहां हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। जिन्हें आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

सालों से लंबित है पक्की सड़क की मांग

समिति के सचिव ने शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि पक्की सड़क के निर्माण के लिए वे पिछले कई वर्षों से अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के चक्कर काट रहे हैं। बार-बार गुहार लगाने और मांग पत्र सौंपने के बावजूद आज तक इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं की गई है। जनप्रतिनिधियों की इस अनदेखी से स्थानीय ग्रामीणों और सेवा समिति के सदस्यों में गहरा असंतोष व्याप्त है।

भक्ति और पर्यटन का संगम

अपनी प्राकृतिक सुंदरता और डोंगेश्वर महादेव की महिमा के कारण चोड़राधाम न केवल श्रद्धालुओं बल्कि पर्यटकों के लिए भी आकर्षण का केंद्र है। चैत्र नवरात्रि के दौरान यहां नौ दिनों तक विशेष पूजा-अर्चना और अनुष्ठान आयोजित किए जाएंगे। सेवा समिति ने प्रशासन से एक बार फिर मांग की है कि आयोजन से पूर्व सड़क की मरम्मत कराई जाए, ताकि श्रद्धालुओं को सुगम रास्ता मिल सके।

गायत्री शक्तिपीठ में चैत्र नवरात्रि व नव संवत्सर की भव्य तैयारी, गूंजेंगे मंत्र और होगी विशेष साधना

19 से 27 मार्च तक आध्यात्मिक अनुष्ठानों की धूम, श्रीराम नवमी पर होगा 5 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ

राजनांदगांव (दावा)। स्थानीय गायत्री शक्तिपीठ में चैत्र नवरात्रि पर्व व हिंदू नव संवत्सर विक्रम संवत 20 83 को धूमधाम से मनाने भव्य तैयारियां की जा रही है। शक्तिपीठ के प्रमुख ट्रस्टी सूर्यकांत चितलांग्या व प्रबंध ट्रस्टी बृजकिशोर सुरजन ने बताया कि आगामी 19 मार्च से 27 मार्च तक चैत्र नवरात्रि एवं नव संवत्सर के पावन अवसर पर नौ दिवसीय शक्ति की साधना का महापर्व अत्यंत श्रद्धा और उल्लास के साथ आयोजित किया जा रहा है। इस महापर्व के दौरान प्रतिदिन साधकों की सुविधा के लिए विशेष आध्यात्मिक कार्यक्रमों का क्रम निर्धारित किए गये है। उन्होंने कहा कि नव संवत्सर के आगमन के साथ यह उत्सव क्षेत्र में नई ऊर्जा, आत्म-परिष्कार और सुख-समृद्धि का संचार करेगा। बताया गया है गायत्री शक्तिपीठ में भक्तों की जप-तप, साधना-उपासना की निरंतरता के लिए प्रतिदिन समयानुसार व्यवस्था की गई है।

श्रीराम नवमी पर्व पर वैदिक अनुष्ठान आयोजित

शक्तिपीठ द्वारा बताया गया कि चैत्र नवरात्रि श्रीराम नवमी पर मंदिर में लोगों में आध्यात्मिक जागरण एवं विश्व शांति हेतु गायत्री महायज्ञ सहित विशेष वैदिक अनुष्ठान का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस दौरान जप-तप-ध्यान, साधना-उपासना का फल वैदिक अनुष्ठान में मंत्रोच्चार के बीच आहुति प्रदान कर प्राप्त की जा सकेगी। इस दिन प्रातः 10 बजे से 5 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ, विशेष संस्कार, पूर्णाहुति एवं महाप्रसादी का वितरण किया जाएगा। गायत्री परिवार ट्रस्ट ने समस्त धर्मप्रेमियों और परिजनों को इस आध्यात्मिक अनुष्ठान में शामिल होकर सामूहिक साधना के माध्यम से नव वर्ष का मंगलमय शुभारंभ करने हेतु सादर आमंत्रित किया है।

भूपेश सरकार के 5 साल बनाम भाजपा के 266 करोड़ के कार्य : अशोक चौधरी का कांग्रेस पर तीखा हमला

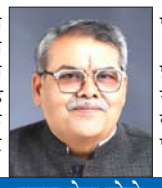

भाजपा नेता बोले- विकास देखकर कांग्रेसियों को लग रही मिर्ची, हार से नहीं सीखा सबक

राजनांदगांव (दावा)। राजनांदगांव नगर निगम क्षेत्र में हाल ही में हुए 266 करोड़ के विकास कार्यों के भूमिपूजन के बाद शहर की राजनीति गरमा गई है। भाजपा नेता अशोक चौधरी ने कांग्रेस द्वारा उठाए जा रहे सवालों पर पलटवार करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और प्रभारी मंत्री गजेंद्र यादव की उपस्थिति में हुए इस ऐतिहासिक विकास कार्य से कांग्रेसियों को मिर्ची लग रही है। अशोक चौधरी ने तुलना करते हुए कहा कि पूर्ववर्ती भूपेश बघेल सरकार के पूरे पांच वर्षों के कार्यकाल में राजनांदगांव जिले में इतने विकास कार्य नहीं हुए, जितने भाजपा सरकार ने एक साथ नगर निगम क्षेत्र के लिए स्वीकृत किए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेसियों की बदजुबानी उनकी हताशा का परिचायक है। कांग्रेस के इस आरोप पर कि भाजपा नेताओं का विकास होगा। श्री चौधरी ने कहा कि यह उनके 50 वर्षों के लूट-खसोट के अनुभव का परिणाम है जो उनकी जुबान पर आ रहा है।

कांग्रेस पर तीखा प्रहार करते हुए भाजपा नेता श्री चौधरी ने कहा कांग्रेसियों को दूसरों पर उंगली उठाने से पहले अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। वे उन लोगों को देखें जो लूट-खसोट करके रोडपति से करोड़पति और अरबपति बन गए हैं। भाजपा की संस्कृति विकास की है। जबकि कांग्रेस ने केवल बेईमानी की है। श्री चौधरी ने आगे कहा कि भूपेश बघेल ने मुख्यमंत्री रहते हुए राजनांदगांव के साथ जो सौतेला व्यवहार किया था। उसका खामियाजा कांग्रेस को लोकसभा चुनाव में भुगतना पड़ा है। जनता ने उन्हें नकार कर सबक दे दिया है। उन्होंने कांग्रेसियों को सलाह दी कि वे शालीनता का परिचय दें और विकास कार्यों में रचनात्मक सहयोग करें, न कि विकास में बाधा डालने वाली बयानबाजी। उन्होंने विश्वास जताया कि भाजपा सरकार के नेतृत्व में राजनांदगांव विकास के नए आयाम स्थापित करेगा और 266 करोड़ के ये कार्य शहर की तस्वीर बदल देंगे।

आवश्यकता है

दैनिक दावा अखबार में विज्ञापन/मार्केटिंग कार्य एवं रात्रिकालीन हेल्पर व ड्रायवर हेतु कुशल एवं अनुभवी लड़के की आवश्यकता है। वेतन आकर्षक! संपर्क समय :- दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक।

संपर्क करें - दैनिक दावा कार्यालय
बल्देव बाग, राजनांदगांव, मो.- 93004-14726

चाकू लहराकर दहशत फैलाने वाले बदमाश को 2 वर्ष का सश्रम कारावास

न्यायालय ने लगाया एक हजार का जुर्माना, बसंतपुर पुलिस की प्रभावी पैरवी से मिली सजा

राजनांदगांव (दावा)। बसंतपुर थाना क्षेत्र के सागरपारा में सार्वजनिक स्थान पर चाकू लहराकर आम जनता को भयभीत करने वाले आदतन बदमाश प्रदीप पटेल को न्यायालय ने दो वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। न्यायिक मजिस्ट्रेट मनीष कुमार के न्यायालय ने आरोपी को आयुध अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत दोषी पाते हुए अर्थदंड से भी दंडित किया है। बसंतपुर थाना प्रभारी एमन साहू ने बताया कि वर्ष 2025 में मुखबिर से सूचना मिली थी कि सागरपारा निवासी प्रदीप पटेल (25 वर्ष) हाथ में धारदार चाकू लेकर सार्वजनिक स्थान पर घूम रहा है और लोगों को डरा-धमका रहा है। सूचना पर तत्काल पुलिस टीम ने घेराबंदी कर आरोपी को रंगे हाथों पकड़ा था। पुलिस ने उसके कब्जे से लोहे का एक धारदार और नुकीला पट्टीनुमा चाकू जब्त किया था।

आरोपी के विरुद्ध थाना बसंतपुर में अपराध क्रमांक 158/2025 धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे जेल भेजा गया था। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए सूक्ष्मता से विवेचना की और समय पर न्यायालय में अभियोग पत्र (चार्जशीट) प्रस्तुत किया। प्रकरण की सुनवाई के पश्चात न्यायिक मजिस्ट्रेट मनीष कुमार ने साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर प्रदीप पटेल को आयुध अधिनियम, 1959 की धारा 25(1-ख) (ख) के तहत दोषी पाया। न्यायालय ने उसे 2 वर्ष का सश्रम कारावास, 1,000 रुपये का अर्थदंड (अर्थदंड न देने पर अतिरिक्त कारावास) की सजा सुनाई। इस प्रभावी कानूनी कार्यवाही में थाना प्रभारी एमन साहू और उप-निरीक्षक नरेश सार्वा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस की इस सफलता से क्षेत्र के असामाजिक तत्वों में हड़कंप व्याप्त है।

रॉयल किड्स कॉन्वेंट में अब होगी कानून की पढ़ाई, बच्चों को मिलेगी संविधान और सिस्टम की समझ

प्रारंभिक स्तर से ही नागरिक अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक होंगे छात्र, संस्थान की अनूठी पहल

राजनांदगांव (दावा)। शिक्षा के क्षेत्र में एक नई पहल करते हुए रॉयल किड्स कॉन्वेंट में विद्यार्थियों के लिए कानूनी पढ़ाई की कक्षाओं की शुरुआत की जा रही है। इस पहल का उद्देश्य छात्रों को प्रारम्भिक स्तर से ही कानून, संविधान तथा नागरिक अधिकारों और कर्तव्यों की जानकारी देना है।

संस्थान के निदेशक संजय बहादुर सिंह ने बताया कि वर्तमान समय में बच्चों को केवल पाठ्य पुस्तक ज्ञान ही नहीं, बल्कि समाज और व्यवस्था की समझ भी होना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से विद्यालय में विशेष कक्षाओं के माध्यम से छात्रों को यह बताया जाएगा कि कानून क्या है। संविधान में नागरिकों को कौन-कौन से अधिकार दिए गए हैं तथा उनके क्या कर्तव्य हैं। उन्होंने कहा कि इन कक्षाओं के माध्यम से छात्रों में सही और गलत के बीच अंतर समझने की क्षमता विकसित होगी तथा वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक बनेंगे। साथ ही उन्हें न्याय व्यवस्था और सामाजिक जिम्मेदारियों के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। विद्यालय प्रबंधन का मानना है कि इस प्रकार की शिक्षा से छात्रों में जागरूकता बढ़ेगी और वे भविष्य में जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित होंगे। देश के कई स्थानों पर भी स्कूल स्तर पर कानूनी जागरूकता कार्यक्रम चलाकर बच्चों को संविधान और कानून की जानकारी दी जा रही है। जिससे उनमें सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है। इस अवसर पर डॉ. सविता जे.बी. सिंह (अध्यक्ष), अशोक चौधरी (उपाध्यक्ष), निदेशक संजय बहादुर सिंह, सावंत बहादुर सिंह, जन्मेजय बहादुर सिंह, श्रेयांश बहादुर सिंह, मनीषा सिंह, पूजा सिंह, इला सिंह, कोषाध्यक्ष डॉ. आईके वैष्णव, अकैडमिक डायरेक्टर अभिषेक खण्डेलवाल, प्राचार्या श्रीमती एकता खण्डेलवाल, सोनल अंजोरियो चारन, उपप्राचार्या डॉ. ममता मिश्रा, एचएम सरिता सिंह, अपर्णा वर्मा, मौली सेबेस्तीयन, जया भारती, तृप्ती मेश्राम, आकांक्षा साहू, सूचिता कावड़, रिया जैन ने इस पहल का स्वागत किया है।

माता कर्मा पूरे हिंदुस्तान और सभी समाजों के लिए प्रेरणा स्रोत : मधुसूदन

जिला साहू सदन में धूमधाम से मनाई गई कर्मा जयंती, 22 मार्च को डोंगरगांव में जुटेंगे मुख्यमंत्री

राजनांदगांव (दावा)। बसंतपुर स्थित जिला साहू सदन में पापमोचनी एकादशी के पावन अवसर पर साहू समाज की आराध्य देवी, संत शिरोमणि भक्त माता कर्मा की जयंती भक्ति और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर समाज के गौरवशाली इतिहास को याद करते हुए वक्ताओं ने सामाजिक एकजुटता पर बल दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ कर्मा मंदिर में श्री लड्डू गोपाल एवं माता कर्मा की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन, हवन-यज्ञ और सामूहिक आरती के साथ हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि महापौर मधुसूदन यादव ने अपने संबोधन में कहा कि माता कर्मा का जीवन और उनकी भक्ति किसी एक धर्म या समाज तक सीमित नहीं है, बल्कि वे पूरे हिंदुस्तान के लिए प्रेरणा स्वरूप हैं। उन्होंने साहू समाज की संगठित कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस समाज की रचनात्मक पहल पूरे छत्तीसगढ़ के लिए एक उदाहरण है। अन्य समाजों को भी इसी प्रकार संगठित होकर प्रगति की राह पर आगे बढ़ना चाहिए।

22 को डोंगरगांव में भव्य महोत्सव

प्रदेश साहू संघ के अध्यक्ष डॉ. नीरेंद्र साहू ने बताया कि आगामी 22 मार्च को डोंगरगांव के फुटबॉल मैदान में जिला स्तरीय भव्य कर्मा जयंती महोत्सव और सामूहिक आदर्श विवाह का आयोजन होगा। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय शामिल होंगे। उन्होंने सर्व समाज के लोगों से इस आयोजन में पहुंचने की अपील की है। खुज्जी विधायक भोलाराम साहू ने कहा कि पापमोचनी एकादशी से जिले और प्रदेश भर में माता कर्मा जयंती कार्यक्रमों का आगाज हो चुका है, जो पूरे माह उत्साह के साथ मनाए जाएंगे। जिला साहू संघ के अध्यक्ष भागवत साहू ने कहा कि 22 मार्च के आयोजन के लिए समाज के पदाधिकारी तन-मन-धन से तैयारियों में जुटे हुए हैं। समारोह में मदन साहू, नीलमणी साहू, नोबेल साहू, विवेक साहू, इंजी. शेखर साहू, मोती साहू, कुलेश्वर साहू, राजेश साहू, किरण साहू, तरुणा साहू, देवकुमारी साहू, भोज गंजीर और यशवंत साहू सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं मातृशक्ति उपस्थित थी। कार्यक्रम का संचालन महेश्वर साहू ने किया और आभार प्रदर्शन नगर अध्यक्ष राजेश साहू ने किया।

बंजारी मोड़ पर भीषण सड़क हादसा : बाइक सवार भकुर्रा के 3 युवकों की दर्दनाक मौत

कल्लूबंजारी (दावा)। रविवार 15 मार्च की दोपहर कल्लूबंजारी से ककोडी मार्ग पर एक भीषण सड़क हादसे ने तीन परिवारों के चिराग बुझा दिए। बंजारी से निकलते ही मुख्य मोड़ के पास एक मोटर साइकिल अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। जिसमें सवार तीनों युवकों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों की पहचान ग्राम भकुर्रा के निवासियों के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसा इतना जबरदस्त था कि बाइक सवार तीनों युवकों को संभलने का क्षण भर भी मौका नहीं मिला। तेज रफ्तार या मोड़ पर संतुलन बिगड़ने के कारण मोटर साइकिल सीधे टकरा गई। टक्कर के बाद तीनों युवक सड़क पर काफी दूर तक घिसटते चले गए, जिससे उनके सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं और मौके पर ही उनके प्राण पखेरू उड़ गए।

मोड़ पर अनियंत्रित होकर पलटी मोटर साइकिल, भकुर्रा गांव में पसरा मातम

जैसे ही यह खबर ग्राम भकुर्रा पहुंची, पूरे गांव में सन्नाटा पसर गया। मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुराहाल है। एक साथ गांव के तीन होनहार युवकों की मृत्यु की खबर से हर कोई स्तब्ध है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शवों को पंचनामा के लिए भेज दिया गया है। दुर्घटना के सटीक कारणों की जांच की जा रही है, लेकिन प्राथमिक दृष्टि में बंजारी के इस मुख्य मोड़ पर बाइक का अनियंत्रित होना ही हादसे की मुख्य वजह माना जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग पर तेज रफ्तार के कारण अक्सर दुर्घटनाएं होती रहती हैं। पुलिस ने मार्ग कायम कर आगे की वैधानिक कार्यवाही शुरू कर दी है। देर शाम तक मृतकों के पोस्टमार्टम की प्रक्रिया जारी रही।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक व मुद्रक दीपक भाई बुद्धदेव द्वारा स्वस्तिक ऑफसेट एण्ड स्क्रीन प्रिंटर्स, बल्देव बाग रोड, राजनांदगांव से मुद्रित कर प्रकाशित। सम्पादक दीपक भाई बुद्धदेव।
* समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार। * किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र राजनांदगांव रहेगा। फोन नं. - 07744-406631, e-mail : dainikdawa_rjn@yahoo.com